বাততিও পদ গাঁথিয়া বিশ্বল যেন পারিজাত মালা। রামের চরকে ঘত্ত ফ্রিপিনে যোক করে দুই হাত দক্ষা লুপ্তিবারে ঘতেক বানরে বলিচেনে রঘুনাথ। পাইয়া আরতি চনে বাঘুণতি ঘতেক বানরণাল করে ক্রিভিন্ন সভার উন্থান্তে হর্ষিত্ত জগার্জন।

বান মাইয়া স্থাবন স্থাতা করে চটেতটি পতিৰ রাবন রাজা কামডাইয়া মাটি। দেশ ঘোলন দীর্ঘল স্থাবনের র্থমান পক্ষণত হাত সংবল দীর্ঘল শুমান। সোব করিয়া দুল্ল যামন করে লংক্ষার। রাবনের শরীর যেন সুমেনংশামার। इस जंद वृद्ध कहिया विजय तीवन जरून (पर्वत साम्र पूष्ट्र विवस्त । पूर्ण (याजन ब्रामान बांचन ठाणिया नेएक लांक पिया बीनर पांस लक्षांत्र जिउदम् । माना रुष्ट्र यनि यानिक डांडोर माम् ज़ि राजियार लिक्टि तायरअत छान्। मूनाती। द्रांदल द्रांजा ज्यानिग्रोहरू जानर मन्मद्री अरकक बोनरव लिएहे मुले विद्यावित्री। যুত্ৰ বন লোটে বানত ডাছে নাই মন হন্যা সৰু পাইয়া বানর হর্ষিত মন ! রাম বংলন তিভাষ্ট শুনহে বছন দ্বার ভিতরে শীঘু কর্ছ গাঁমন। प्रवक्ता मव जोता स्रा विष्तिवेदो ঘতুকরি রাম গিয়া আপনার প্রা। বানর না আনিৰে ডোমার কৌল পুরী जानंतां के दश दोध शियां खी। নহতে চঞ্চন বকু দুৰ্জ্যু বানৱগান বাতি নহয় করে পাতে চল বিভীছ।। আ আ ১

हांग्र वालन बानवरहेर न्यूडे पद ख्या विजीवानंद जोआपम ना परिश् (कांत जना। রামের আভায় নেওটিন বানরণা হুবিৰ পজিল বিজ্ঞীয়ৰ ঘূজিল ফক্ৰ। সিংহের বিক্যা বাই সংগ্রামে পণ্ডিড हिन जन इत्य लाहीय हो इंडिया मिन्ड। অদাণাত বলিলাম হইল বিদ্যামান मनी मह खोमांह उद्ध द्यारेन जात। বুক্ত অগ্নি বাল ইইল কলনিয় অলে ত্ৰিভূবৰ বিজয়ী ধীর লোটায় ছমিওৰে। রালী মৰ আনাথ ছইল প্রয়ম্মরী নানা ভোগে ছাত্তিৰ কনকনভাপুরী। व्यादावरी लासित हाई हेम् एव जिल हिन प्रस्कृ कन्यं खोळांद्र नहेग्रा यांग् प्रांत। অহুত রাজন তুমি হইলা দ্রাচারী ज्य इस लोहे। अस्त इस असिसंदी। তন্দু ওঁড়া কর ভূমি হাডের চাপনে রাবিণ মহাবৰ পড়িল চম্চিত্র গ্রিভ্রনে।

বুল্মের বাবে রাবন অবিক রন কচ্চিত্ত নারি विक्य कवियां द्राविश मिण्ड इन्ही यादि । বাম বলেন বিভীষ্ট বিচারে পত্তিত গ্ৰহানাগিয়া এত কান্দ নহেত ওচিত। হত শক্তি করিল ডোমার ভাই অধিকারী श्वातान एज प्रथा समस्म क्षेत्री। দৰ্যকাৰ তিনি এক কালে হায়ি मंग्र कोन धर्म तारे किरमद विमदि। ব্রিভ্রন জিনিয়া সৃষ্ণ ভৃত্তিল অপার আমার বাবে পরিয়া গেল মর্গছার। হদন সঙ্কল ভামি কাৰ্যো দেছ মন रोवरनंत व्यश्निकार्या मीख उन्ना রামের আআম বিভাষন রাবন পৌতাতে নতে মন্দোদরী বার্তা পাইল খাতি ভিতর গাড়ে। मृर्छ। द किंद्रन नो एएक्ट एवं मदन स्त्री রেণ্ডলে আদিয়া কান্দে দেশ হাজার স্ক্রী। ডিন্তর কাল জীবে লোকে বিক্তর কথা খবে मत्यय नेगर्वत नेदच मान्यय बादन।

শাত্র মিত্র বিভীয়ন সুফাইল হিড मीउ। दिया इतियह मान कहर नीविज्ञा আমা সভার আইওও টুটিবে বব মর্ব তেকারনে না প্রনিলে হিত (ম বছন। দন্তা বাহি বাহৰ তুমি লোটাও কার বাংক মন্ঘারণে ভৌমারে মারিল নারায়কো আজি হইতে রাম দীর্ভার দৃহথ বিষ্ণোচন আজি ছইতে ভৌমানু আমানু নাহি দরশন। স্নর শরীর ডোয়ার দোটাও বিভিন্ন বেশে **15 मगुन नक्ष क**ित्रल कार्यमात् हारह। হণি মানহ আমার হাম্য লংগ্রেশ্বর গ্রিভ্রনের ভিত্তর মোর কারে লাহি তর। नक रांचिनक्ष ब्हेन अख्य समूत मार्थं ना (एकि अधि (उधिक जोनेह) बोळियो विवाह कति स्व होनवज्ञीहरी कान पात्व प्योगतन मजी निजवुका। व्यवश्रीत थाति ची नग्रमां द्रांगा खाँमां बहे छोमांड ची मूर्या नोहि (बराध ।

যাক্তম হইয়া কর গোঁদানিক মনে বার ্যানি আনিনু আহি পড়িন পুমাই। ইন্তিতার মা আমি লোটাইছা কান্দি ইনি সমাধা না বর আঘি সহাগে আগল। তথনি বলিয়াছি আমি রাম ভগবনি বাগের মনে বাব করিলে নাছি পরিমুণি। वितरियार कांच्य दोनी शरफावदी দুশ হাজার সাজিদে শ্রোর দিতে নারি। गां कांच्र ना कांच्र राजी भीन कर स्व তোমার কম্পে সভাল বুক হইল চির। র্গুলাথ এতেক স্থা করিল বিবৈধা দেশ হাতার মতিনী মেলি করিব সেবা। प्रवाद ना शांत दांनी हरेन अउरहान इांग पिशिएंड ठरन डांजी नाहि खरन दोन। আয়ার হামী মারিদেক কেমত তদে एन द्राय प्रिक्टिंद शिक्ष जानेन नगरन । वांगेय ना अमृद्र होशी हरेन उउद्योनि भाराम (प्राधिख यांग्र व्यांडम्च दृनि।

द्रभ व्यवसार विद्यालिय द्रम्तिथे रिन्दाल सम्हाम्ही विद्यालक पुंभिपीउ। सीडार्ट्स प्रध्यत द्रांस द्रांभी सम्हाम्ही वना करिंड दिल्ला द्रांस कामीर्ट्सार हरू। सीडां दहे द्रम्तार्थद कना नाहि सन सीडांद रून को द्रांस प्रध्यन मर्ग्य छ्ला। हम् मूर्वा पृथिकी सम्भू यहि छोट्ड उत्तरम पुंच द्रांसहम्म उपि छोट्ड उत्तरम पुंच द्रांसहम्म उपि द्रांस नाइ। द्रांसह कथा चिन्दा द्रांस उड्डिंस। सामार्द्रा कथा चिन्दा द्रांसह दिन्द्रम क्रांस्त द्रांस चिन्दा सिद्ध । क्रांस्त द्रांस चिन्दा स्वाहत पद्रांदर। क्रांस्त द्रांस्त च्रांसही कर्ड पद्रिक्स। क्रांस्त द्रांसहित च्रांसहार स्वाहत पद्रांदर।

> लाहात निक्रमी तांब अपत्र औ नाम (मांब अपना मिट्टी

ভোমার চরনে করিতে পুনামে ত্যতিয়া আইন পথী। প্রন মহাশ্র করি পরিচয় त्रांग जिल्लांत्र नाथ नक्षेत्र क्रेस्ट्री नाम मस्त्रीहरू করিলাম যোত্হাত। परवत्र क्रियंत । पच नृतस्त्र यांहांत वांतिए हाति ইন্তেত নাম মারিল লক্ষ্ম ভাছার অননী আমি। কি বলিব আর স্রাসুর নর তক বৈরি বাবনের রানী দেব দিজভক্ত শৌকেতে দৃঃমিত श्वन जाह विभयनि। মন্যু আইওড করি বর দিশা হরি একড় নহিবে আন কাহার আইএতে বিরিব আইএতে

्यादि कर मित्रिता

माठा कोन हैराउ व कोन्नि पूर्वाराख पायन पूरारत नाणित पुष्ट्रात रहन यह दिलां रकति । करमूत वसन हेन्द्र नम्बन केरमुद्र वसन हेन्द्र नम्बन केरमुद्र वसन हेन्द्र नम्बन केरमुद्र वसन हेन्द्र नम्बन केरमुद्र वसन हेन्द्र नम्बन कामारत हैन्द्र निर्माण प्रमापकी प्राथित हैन्द्र निर्माण प्रमापकी भागा वानी हरन किन्ना हा प्रमापकी भागा वानी हरन किन्ना हा प्रमापकी कीर्जियास्म हरन उन्ना

পদ্ধা পাইয়া বলেন রাম রাগীর বচনে অন্তয় চিতা রামধার সুনিবে প্যাপানে। কানৰ মাধন রাগী না কর বিদাদ কাহার দৌম নাই দৈবে পাড়িন পুমান। विज्यम जिनिया जूमि नरमम्बरी বিভীয়ৰ করিবেন ভোমার দোহাণে আঠনি আরু কিনে রিকায় না করিছ চিত্তে অন্নয় চিতা তুলিৰে থাকিবা আইএতে ৷ াম বলেন বিভীষল তুমি ঘূচাও শোক ারনের সংকার কর সালাও স্থানোক। ামের বোলে সভারে সান্ধান বিভীয়া গুলিতে৷ অন্তঃগরে তলিল স্থাপান। रे वत्र क्रांध्यव हैं हि भोडेल सत्स्वान्ती । प्रवर्ते हें विष्यं इंदेश शन व्यवस्था । ায়ের সানা একেন হাম ঘাতার টোপর দের সাজ এতেন রাম হাতের বিশৃঃশার ৷ াবে মারিতে দৃষ্টেশ রাম পাইল অপার गंत वेन्क मा वेदिव रेक्न जन्नीकां हा। দ্রের মাতৃলি দেখিল রাম গোচরে পায় দিশ ব্যুন্থ সেভার ভিতৰে।

ইন্দের তাই জানাইছ আগ্রার পরিছার ভাষ্ট্ৰ শত্ৰ বাৰৰ আমি বিলাম মংছাল। চলিল মাডুলি এখন রামের আদেশে व्ययतांवजी म्हण शिन हम् व निर्मास । द्रांग द्रामम चुन वनि देशियंक विजीवन यदा नदीत काहे नहेल (भाजह देवन । রামের আজার বিভীষ্টা করিল অমীফার मार्गित्तर कूल दांवरभंत कदिन मण्याद १ রাজযোগ্য পরাইশ সোনার পাট বৈতা ठस्तरुटिक निर्माहेल द्वाजीव (चरिए हिंडा ! मृज्य बना पंतरिक मृज्य अखित मध्वारि विधियां विव मूर्राख संख्वी। म्बर्ग कना जादि कदि जनाहेल स्मिट म्मी তথাকারে নইন হাবন মহাবনী। वांजरपाना क्या रहेन इन्समकां भारि मक्न द्रांक्षम विष्णां द्रावन विजाद अनेद्र अपि। চিতার ওপর পাতিলেক বংযালা বন রাবন রাভার শোহাইল ওতর পরন।

र्विद्याल किन्स् क्षेत्रम विज्ञासन पूर्ण ग्राह्म जारिन क्षियां (भारति अवस्ति । ग्रा भंगीद अमा प्रेन ग्राइ कानरन शास्त्र वस्त्र अविद्यात हिंडा मर्ब कांत पुरन । मुशुर (मिक्यां तार्याः शंभा वनन হাত পদাগিয়া মিছা ছেছ আদিরিল। ত্যিকেন নিত্ৰ হটও তলা ভদাবিতা ত্রিভ্রম জিনিত্তে পারি ডোমাংছন হোত্তে ই ঢ়োমার প্রসালে আমি সাগার মইলাম পাঁর তোমার শুলাঘে হইল এতার ওপার হ একার্যানি বচন আমার শোবি আচে বীর বিভীঘনে নাহি দিলাম লকার অবিকার ৷ চারি ঘূর্ণে থাকিবে যোর ঘূরিতে আধ্যাতি বিভাষতেকে কৰিব আমি লক্ষাৰ অধিপতি। আমার ৰতাল মিড়া কর আগ্রসার विश्वीयान पर यांचे नक्षेत्र अधिकांत्र। মূন্নীব হৰ্মান আৰু ঘতেছ বাদর मांड (स्विस् विक्रीयत्व स्त्र विक्शान्ति ।

গান্ধবের এইবি দিল নানা তীপোর জল नक्षेत्र छिउत जी वृक्षस शिराष्ठ ग्रमन বুদ্নাথের আজা লগ্নিবেক কোন জনা বিভীষ্ট রাজা হইকে কটকদোষ্ট্রাণ। স্বর্দ্ধাণতি আদেশ স্গিক্রে তল ল**ন্ধা**র বাজা করেন বিভীমন মহাব<del>ন</del>। দানা ঠাপা কল আদাইন সাভ দাত কলমি মাৰল দুবা আনিল যত লক্ষার ভপদী। রাজনেতে গাঁত গায় যানরে করে নাট नका इरेड वर्षात्व इरेन मलाहे। শ্ৰভন্তৰে বিজ্ঞান বদিল সিংহাসনে আপনি মাতার জন চালেন ঠান্তর লহ্যাত।। व प्रातिश्व बोकः (यन भोषांकव (द्वार সামিরের জলে বিভীঘনকে করে আজিষেকী क्षत्र प्रथ फिल उप्त खनकनका नेही किल किंद्रिट विल छांद्र कांध्री अध्यापत्री। क्रांजांक मारे कांजांक मध्य डांस्ट माहि एए।ड शास्त्रात्रही अधिया विश्वास अहि एवांस।

जिलांका जिनियां कर्न वेदत्र सरमोहती বিভ্ৰাছ। মনোদ্ধী নানা কেলি করি। वांवरभेक लच्च मण विजीसरभ शिक्रि বিভীষণ রাজা হইল ছব্লিষ দেবপুরী। বিভীষৰ হাতা হইল জগৎ হইল সাখী ज्याविधि ब्रांध्यव कीर्जि विजीवन स्वासी। प्रित्म विजीव**ान्त वाद्य ते**क्द्रान রাঘের প্রসাদে হইল এক লোকপাল। পাব ঘিত্ৰদলে করেন অনুযান দীতার ওচ্চাচর রাম পাঠাইল হল্মান। विवास इन्यांत मीउाद कहिएउ क्या বান পাইয়া রাক্ষণী হল্মানে লোয়ার যাতা। আচন্দ্রিতে গাঁড়ের ভিত্তর পরনদন্দ শ্বী প্ৰম ঘত্ত আছে বৰিবে জীবন। গৌরব করি বলে মতে হনুমানের মানে মাভাইল হলুৱাল মীডার অশোক্রনে।

হাল হাণত পরিয়াছে গাঁয় পড়েছে মলি তবুত মীতার কপে পরিচে বিজুলি ৷ গায়ে মলি পড়িয়াচে মলীর বসক তবু ৰূপে আলো চাকিয়াছে চাকুর কির্ণঃ अधिक रहेगा रम्यांन भीजाद लागांव यांजा ঘোতৃহাত করিয়া করে রদুমাথের কথা। স্গাবের পক্তি আর বাদরের হালাহানি বিভাষন সহায় রাম হর্জায় শঞ্চা জিলি ৷ স্বত্যপ পজিল হাড়া বাহন হহাপাণ ব্লাজলক্ষ্মী ডাজিলেক ডোমারে দিলেক ডাণ। আমার ক্তরে পাঠাইল খারাম লক্ষ্যুন বাৰন পজিল ভোমাংয় কছিতে বিবরন ৷ 23 यदि कहिलान इन्यान काहिनी इदिएय जानेनां भागविद्यान ठांकृतांनी । হন্যান বলেন মাতা কি গান মন ছরিছে ওতার ভোমার না পাই ফিকারন। স্বীতা বলেন হনু আমি পাসরিলাম আপনা কোন দুবা দিয়া কয়িব ৰাজীয় তুলনা।

দীতা ৰলেক যে বার্ড। কছিলে ৰিবর রাহার অস্ত্রণ দান চিল্তি মনেমন। মুলি মালিক বদি দিই রাজ্য অধিকারি ত্ত্ত শ্ববিতে লারি ভোমার বার বারি 🗈 হনু বলেন রাজাভোগে কি করিব গোঁদানী गुनारथव यसेन कोर्जि हेश जायिशिका এক দাৰ দিবে মেতির লাকরিকে আল গায়ারে দান দিলে তুখা হইবেন রাম। টোয়ার কাচের আচের মা রাব্যনের ঘন্ড চেড়ী योग विषायोध्न (उद्यांग् अंग्रेड शेडि । টু দেখিয়ালি ভোমার করেলে অপমান उज्लेखनांव ज्ञान नव प्रदे योगि होन। ৰ্ভ ওপাড়িয়া চুৰ জিড়িব গোজেগোজে আঁচাড়িয়া পুৰি লব বড়ং গাছে। শাগারের ভূলে আচে মারসান বালি पंशंद्ध भ देशा **मुक च**मिव देवियार ठूलि । ইনিয়া সকল চেত্ৰির লাগিল ভরাস व्हिंदियों भिन् रिज़ी मीजी खिरिद्र भाषी।

कियों भर सन शन भीड़ा शंक्तानी इत्यांन भूषि महेरद संभाद आनेनि । সীতা বলেৰ হনুমান বিচাৰে পণ্ডিত ঘত দুষ্টা পাইলাম আমি ললাটে লিখিড রাজঘন্নী বাদর জুমি বুক্তে বৃহস্পুড়ি স্থা ববী করিয়া কেন রামিংবে অম্যাতি। घउ দिन जिल हिंदी वांतरभंद्र असिकार ह তাহার বাক্তো দৃষ্টে দিয়াকে আফারে। সৰ্থ-শে মারিলা তার মাণ্ড করিলা রাঁড়ী ব্লান্ত্রি দিন সেবা আহার করিছে যত তেওী। প্ভর ঠাই কহিও আমার যত দৃংগ্র मणं शांदमत नदत (मिंग बार्तास्थर सूधाः) खादांच्यद किशिनांच मुख यपि हम्बदन **उ**रवरम जहुना नृष्ट्य इंडेस्ट विस्मांहन । ठलिलन रन्यांन मीउांव जारमरण নীতার কথা **রাঘ্যে করেন আশেষ** বিশেষ। य जीनिशिशं किल अउन ग्रहांग्रं हित भीड़ा आविशा एका अस्टिम्मात ।

হিন্তর দুংগা কহিলেন অনেক অপ্রাদ তা গ্রাদরশলে সীভার দুঃশ অবসান চ এতেক বাৰ্ত্তা কছিল যদি প্ৰদানন্দল দীতা আনিতে পাঠাইল বাৰ্মিক বিভীয়**ন**ং চলিলেন বিভাষন রামের বচনে মাতা শোঘাইল গিয়া স্বীতার চরতে চ বিভীঘন বলেন সীতা শুন বামের বচন দান করিয়া পর জুমি যত অভরক। যোত্হাত করিয়া বলেন বিভাষন मिनात (पोनांग ठिया कर त्रांगम्युधि । भीउ। বলেন কিহা দান কি আঁর ঘোর বেশে वहें करने वांडे जावि आहोरयह नांश्ने द्रमुमध्यद्र पोर्म छोर अहे जायाद यहुर्जि দান্ধাতে দেশুন পুঁত আমার দুগতি। मृरदर्भ इडेग्रां वित वाडे त्रमूनां थत सान আমার বেশ দেখিলে পুত্র মলে হতে আদঃ गैक जोशींत कने रिधा विक्रवर जिएक विविक् वर्ग प्रिमिरन भेजर विकाश स्टब्स मार्ग

भीजांत कथा चुनियां उधन बरनन विजीयन वृत्नार्थव यायां मां कवित्र मध्न । আমার তার এত হু য়া করিল আদেশ স্তিতির আনিহ ভূমি করিয়া মাবেশ। শাল করিয়া পর তুমি ওতম বসন য়নি মানিক কানা রুকু পর অভরুব । তিরাশি কোটি পূর্বিত রাষবের ভাগ্রার দানা অল্বার আচে গ্রিভুরদের মার। সকল দুয়াও চুচিবেক ডোয়ার গেলে দেশ রুলাথের গৈই চল হইয়া **স্হেল**। बर्भ योम पृष्ठभा भारेला नकांत्र छिउत এ বেশে কেন্দ্রতে থাবে প্রভন্ন গোচর। বিভীষনের বাক্ষ্যে সীঙা শাুন করিতে মণ मुनिप्रा नहेशां आहेन (एवक्नांशं । विस्थितवाद कि वस भर्मस्तरी वृतिजूना नहेग्रा स्थाप् मादिमादि । मि॰ हामाम बमाहेन मीजांउ जानवी भौड़ांव्रव रेउन ग्रांत्यः बरम् जाग्रहरी।

नित निक्षानि विद्यो गीरवह खोल यनि मर्व हलस्म शेशाजन लिएरत अनेत होलि। নেতের বসন দিয়া গায়ের ভে'লে পানি দান করি পরাইল ওতার পাটের ভ্নি। কার ত্র দৃই পাপে শোভে রামা পাড়ি रिष्कर्मात् निर्माउ उरिष्ट् पद्मी नाशानि। বিভীৰনের বিয় বংশ আঁর দেবক্লাগিন নানা বেংশ স্নীতা দেবির করিছে সাজন। पंत्रम्मत्री मीज जगउद्याहिनी विश्वप्रवादियो इलि दिख्यक हिस्स्वि। নানা রুজুরাচত সীতার বাজিল লোটন রুত্রনির্মিত স্থাঁপা তাছে ফরিজে হল্পন। विविद्य मुशिद्धि छ।न बाह्यित व वृत অতি ঘৃতি নাগেশ্বর পারিতাত ফ্র। ন্য়নে কন্তুদ মী ভার করেও শোভিত্ত <sup>भा</sup>उच्यती इंग्ह्र कीजांत्र शनांग्र ख्र्यड । তিত্তি তির পরেন ব্লের কাঁচলি मूर्वात्र कित्रवायन अजिल्ल विज्ञान।

का भेड़ों शिनमूत भरतम भौति छोन तसी कारोह उन्दानह (छोड़े। (विद्यारक मार्स । छानका जिनका नित्त क्रनातन होत (पारी হিচাকমিকি করে যেল বিজলির চটা ৷ কর্নেতে পরিলেন মীতা রুত্ত্তন অগ্ৰির কানক যেল করে কানমৰ ৷ মুকুতা জিনিয়া মীতার ঘশদের পাঁড়ি नकानवी कारना करव मीडाव नीरप्रव (अप्रेडि: ब्रानुब्र (रमव भाव ग्रामुख सम्ब अरु पंक्षिको भारतम निजम् अभेत । ক্বায় লক্ষ্যুন শন্ত্ৰ দীবোর করেন্ডে পৌডিড ফলকক্ষণ পত্নের নিচেত্রে ছবিত। ভাত ভোত্ৰ পরেন মানিক ছোসারি চিত্ৰৰিডিব্ৰ শোভে গলীয় ওতায়ি 🛭 অমলে পরেল ক্রীয়া মালিক অমতি বিশ্বকর্মার দিনিতি পরেন মানিবের ভরি। অৰণ জিনিয়া দীডার চরণ যুগল তাহার ওপর পরেন লপর মধোহর।

তাহাতে একর থাতু নু গুর ওপরে ওণ্মা ছিবার লাছি ভাছার ভিতরে! চিত্ৰবিচিত্ৰ পদ্দেৰ পায়েতে পান্দৰি বিষি নিৰ্মাইল ঘেল সোলায় প্তৰী। নানা বেশ করেশ স্বাক্তা অদুত সাজনি उद्याद अन्त विरमन महेगा अवर्शनी द्रांनीन भीदिजीउन्हें भेटब्रम আध्योपिउ शिल्ह म्रार्भंत (प्रांना प्रांडिन व्रांक्स्मिश्रं कांत्स् र्दिष ग्रामानस्थ मीजा प्रामान अनेत हरू युप्ति इहेन स्त्रांना (मरवह व्यांडग्रांदि । দোলায় চাড়িয়া যাল মীডা রঘুনাংথর স্থানে ল**কার যত জ্বী কান্দে** দীতার গামনে। হরিয়া আদিল ভোমায় পাশিষ্ক ভারতে मर॰ रणं ग्रहिन दृष्टिन छोग्रोह कोहरन। বাহ্নদের যত নারী ভারেনা ভূমি হাড়ী বানিয়া চৰিদ সভে দিজ৷ যাতী!

বাবনের বি বহু শৌকেতে ব্যক্তি भीजांद्र भियारन कांत्म (लाहे।हेयां निर्नि। রাক্তসক্ষর করিয়া ঘাঁও রদুদাংখর স্থানে ननारि निधन मर्जात रेपरवत्र नाहि खाँता. রামের মনে হওক ডোমার স্ভদর্শনে আখানিয়া স্থা সভারে করিল গমনে। হও স্থা বলে আর কি হার্চা পৃহবাদে সেবা করিয়া থাকি গিয়া সীতা দেবির গাঁগ च्यांगी यदि अञ्च जांत्र कि कार्या जीवान अठांत उरत् यांना करत् दीमिक विजीयता (एर्निन शिद्यां संस्त्र इंडेन सनसन्दाप्ती भीडा पिथिएड राक्षम मद दीवा रुपंतरि ব্যক্তিন বাৰুৱে পথে হইল টেলাডেলি कारक प्रामात्र पंध वहिल्ड मा भारत होती राजा इरेज़ विजीयन चाम विहास विहे হালৈর খবাখবি ছাত্তে করিল চাট। হাতে বাড়ি করিল রাক্ষস কোটিৎ হারিভিত্তে হাতি পতে শুনি চচচ্চি।

গায়ের ফা॰ স ফুটি সভার রক্ত পতে হারে व् मोडां पिशिशंद्र जीनेनां नामद्र । নিহাতেৰ রঘুনাথ ব্রৈলোক্যসুন্দর ামের ভাহিনভিতে মৃগ্রীর বানর। য়ভিতে বসিয়াচেন অনুজ লন্ধ্যুক াত্হাতে শুভি করে ঘত বানর্গল। ারি অপসর নাই কটকের খড়াখড়ি াফ্রেসর কটকে শুনি চারিভিতে বাড়ি। বভীয়ন মারিকে বাজি দুহাতে চারিভিত্তে हरेत्हर **ছড়াছড়ি না পারে রামিতে ।** গ্ৰাম ডাহিয়া বলেন শ্ৰন রাক্তম বিভাষৰ বড়াবেড়ি শব্ৰটা করিছ কিকারব। রাজার মহাদেবী হইলে প্রজার মাতা গানি যায় দেখিতে পুণ্ডেরে কিন্সের হানাহানি। দালার ওপরে বেড়া আমি কিজই মা আনি শতী দ্বী হইলে তার গমনে মে চিলি ! নোলার ওয়াত নুৱাও সভে হাতের তেল ভাট पोना रहेरउ अल्ब भीजा इस्य वष्ट बाहि।

य को अवांतिलांग प्रभाक मनर् लाटक যে জন সভী হইবেক আপনা আপনি রাখে। ब्रांट्यात्र यस विविद्यन्त नेरसनन्दन সাতার পরিক্ষা দিবেল লোকের কারণ। द्वांच्युत क्षित्र एथिया द्वांम नोहेन विलीयन অগ্রিকা দেন কিবা করেন বর্জন! দোলার ওয়াক ঘুচাল ছাত্তের চ্ছেলেল চাট দোলা হইতে তলে সাঁতা স্ক্ৰমে বাহে হাট। দোলা হইতে সীতা দেখী নাঘিল প্ৰয়িত্তন বিদাতের অটা যেন পবিদ ছয়গুলে। মিঁড্য়ি সিন্দুর বেশ রগ বড় লাগে তক্ষবিলক শোভে কেণালের ভাগে। দেশিতে সৃদ্ধর সীতা এ৪ অইর পাকা ৰিমূদেৰ জিনি এন্ড অবির। नांनां वृज् अविदेशित करने शिष्ट मरेगां विज्याम पिछ नाहि मीडांह करनेह उपेगा। मूर्वामित हम् (यत अस्य तानात)। सकत मूर्ज हो। शहे मीडांड प्रवणाता।

विहे भीड़ां (मर्ग (महे हरग़ड मृहिंड আঁচাক অদাের কাম দেবের ছেলে চিড। कल्वेत करी फिलियों बान्य रच महिंड অচেত্রন বানরকটক নাহিক সামৃত। অনেক্সনে খাদরকটক পাইন চেত্রন भीउनिशिशं धम्ब कविनोध मधन जीवन। রাক্ষদকটক ঘূকিয়া পাড়ে কদকলকাপুরী ভাগ্যে মে মজিল বাবল আনিয়াজেন নারী। मडांद्र डिव्ड प्राथित मीडा मुन्दरी ত্রৈলোক্ত্য জিনিয়া কণ সাভা আলো করি। দুই হাতে দুই স্তন ফালিল জানক? আপনার ক্রণ মীতা আপনি হইল লুকি। কণ চাহিতে চান মা লা ঘাত্ৰ আচুাদল সী গর কপে আলো করে দশ ঘোজন। রাঘের চরতে মীতা হইল সমস্কার म्भीर लक्षात्व उद्य क्रावन नेविद्यंत ।

যোত্হাতে দাণ্ডাইল সীতা সভাবিদায়ানে সাতার চরতে পুরাম করেন গকুর লক্তা। শোকে বাকেল হইল রাম হরিষ বিদাদে সভী স্থ্রী এড়িতে চান লোকের জগবাদে। কালর কিজু না বলেন মীড়া মভার ভিডরে পৌক সমূরিয়া তথাৰ বলেল ওতারে [ চন্দ্রের জন মাজিতে২ রাম হইল কাডর সীতার তরে বলেন রাম নিষ্কর ওতার। আগ্রার গ্রান্থ সীড়া না ছিল ভোমার পাশ শয়ন ভোজন ভোমার না তানি-দেশ মাদ। अव्यक्ति क्रान प्रभावत्थव मन्त्र ভোগ্রাহেন স্থা আমার নাহি পুয়োজন। আজি হইতে ভূমি নহ আমার রমণী ঘখাত্তথা যাও দাগুছিলা আদ কেনি। এই দেখা স্ণুধি বালর অধিপত্তি अशंद कोरक थांक शियां यदि लव याँउ। ল্কার রাজা দেখা এই রাক্তম বিভীঘন ওহার কাচে থাক গিলা যদি লয় মন।

ভরত শরুদু আমার দেশে দুই ভাই ইচ্লা হয় থাক গিয়া তাহা সভার ঠাই ৷ ঘণাত্থা ঘাও তৃঘি আশলার স্থে কিলেরে দাঁড়াইয়ে কাদ আঘার নামুখো ! রান্ধনের ঘরে থাকিতে নহিত ওদ্ধার ব্রিভ্রনে অপঘর্শ গাইত আমার। দেইমে অপ্যাশ দূচিৰ ভোমার ওদ্ধারে ওদ্ধারিয়া মেলানি দিলাম সভার ভিতরে ৷ यउग्ड दरलन ज़ांग्र निस्तू वांनी বীরা শাবন যেন পতে দীতার চক্ষের পানি। হিতু নাই**ত বলে লোক আ**জ সভাতলি চন্টের **তাল** মুজিয়া সীতা বিরে**ং বলি**। অনক ব্ৰাজাৰ কন্যা ওত্তম কুলেতে ওৎপত্তি দশর্থ **হেন শশুর** তুর্মি হেন পতি। চালমতে জান পুজু আমার পুকৃতি তানিয়া খ্রনিয়া কেন করিল দুর্ণ ডি। নাওয়াল কালে ফেলাইডাম ভাওয়ালের মিলে প্রশানা করিবাম প্রম ভাওয়ালে।

সভেয়াত্ৰ চূইয়াকে পাণিঞ্চ ৰাবন আর হেন স্থীর পারা বুকা গোর মন । আমার ওদিশে হন্মান পাঠাইলে ঘেই কাৰে আঘার বর্জন কেন না কৈলে মেই কালে ৷ शनांव्र काशेति पिछांच जिल्ले कित्रजांच पुरस् লঞ্চার ভিতরে এত না পাইতাম জেল। वानवक्रहेक पृथ्य नाईल मागित बल्हान **जोनेति विश्वत प्**रश्य भोडेरन पूर्जुय इरले। এতেক করিয়া কর আগ্রার বর্ত্ধন जुधि हिन सांधी वर्ज वृथाय जीवन। श्विकल जिल्लाम पिन्नाम मूर्वाकृत्त **अहेरम आं**द्रिन आंधांत (नाधन क्रेशित) বেশ্যা নম্ভী নছি আঠ্য পরে কর দান এড লোকের বিদ্যোলে কর অপ্রান ! কুণা কর লহ্মন দেবর ভোমার পুদাদ অগ্রিকুণ্ড সাজাইয়া দেহ দুচুক সীতার বান। রামের ভিত্তে চাছেল লক্ষ্মএ লইতে সন্মিক্টা রাম ফলেন কুণ্ড সাজাও সভার বিদ্যামান।

দীতার জীবনে ভাই কিছু নাই কায জাগুতে পুত্র সীতা ঘচুক আয়ার লাজা বামের আজা পাইয়া লক্ষ্য সাজাইল ক্য ৱানরকটক চন্দনকান্ত আনিল প্রাথণ্ড। হান্ত পুতিয়া ওঠিল পুলব্ত অগ্নিহান্দি আগি প্ৰেশ করিতে চলিল সাতাত কণসং সাত্রার রামের চরল করিল পুদক্ষিল অগ্নি পুদক্ষি। স্নীতা করিল বার তিন। ক্ৰক অপুলি দিৰ অগ্নির ওপরে আড়হাতে সীতা দেবী বহনন বিরেবিরে। যোত্হাত করিয়া দীড়া বলেন অগ্রির আগে লোকের পাপ পুঞা তুমি ঘান ঘুণে। কায় মন বাকেঃ যদি আমি হই সভী তবে অগ্নি তোমার গাঁই পাব অব্যাহতি। यां उर्ष होटड कोटन घड नक्कां नृजी (मन যৌতহাতে অগ্রির ভিতর করিল পুরেশ। অগ্নিপুৰেশ করিল মাতা মাতাত ৰণদী তিন বৃদ্ধ দিল ভাতে দৃতের কলসি।

মৃত পাইলে অগ্নি অধিক ওঠে স্থলে কুণ্ডের ভিতর রামচ্ফু দীতারে নেহানে। কুণ্ডের ভিতত্তে চান রাম দীতা নাই দেখি সীতার তরে কান্দি রাগ্র ফুলিল ঢুটি আঁটি। । সংসার পুরা দেখেন রাম হইয়াজের পাগন ব্বয়ে গড়াগড়ি ঘান রাম হইয়া বিকল। আণন কুব্ছে লক্ষ্য দীতা হারাইন কাগার জরিয়া লৌকা স্থালে ত্রাইনু। মীতার বিহুলে মোর সকলি অসার অযোবিগায় চত্র দণ্ড না বিরিব আর ৷ অগ্নি হইন্ড ওঠ দীড়া অনককুমানী ভোগার বিহনে পান আমি বরিতে নারি। তোমার মরুৰে আমি বড় পাইলাম দৃঃম जिंदि इंडिट इंड वित्यं तिए हैं मि मूर्य । होक् व भव भी और वड़ाहेन् जुल भीरष সকল দৃহত পানেরিভাগ্র দীভা থাকিলে পাপে। লন্ধার রাবন রাজা দশ মুণ্ডবর कुष्टि इचित्र (योद्य (यन प्रदाय दिवस ।

হেন রাবন মারিয়া ডোমার করিনু ওদ্ধার জিন্তে পুজ্যা সীড়া মোর হইল ছার্থার। রামের ক্রন্দনে কান্দে সকল দেবগান মাগারবন্ধন কান্দে আর যম পরন। জঞ্চ লোকশাল কান্দে দেব পুরুদরে জলের ভিতর থাকিয়া কান্দেন সাগার। লগ নীপ কান্দে আর সুগুরি বাদর সুয়েন জাদুরান কান্দে আর বালির কোতর। হন্মান বলেন নাই কান্দ্র ঠাকুর লক্ষ্যন জারি জানি সীড়া দেবির নাহিক হরন। রামের জরে ভাকে দিয়া বলেন দেবগান না কান্দ্র্য পাইবে এথান। কান্দিভেং রাম এজিনেন নিশাদ সাঙার পরিক্রাগিত গাইল কান্তিবাদ।

ক্ৰিয়া বিকল রাম হইল অচেড্ৰ বুহুৱা আদি ধাইয়া আইল সকল দেবগাঁ৷ 1

क्रवंद रक्न परा जहिन नृदस्त्र ঘতেক দৈৰতা সৰ আইল সমুৱ। দুই হাত তুলি বুহ্না রাঘের তরে তাকি কার বাকো অগ্রির ভিতর খুইয়াত আননী। অগ্নিতে প্তিয়া রাম ভোমার দীতা নাই মার এথনি পাইবা সীতা কান্দ কিনের তরে। বিভূবদের সার তুমি সং-সারের সার সামান্য মান্ধহেল ডোমার ব্যবহার। ডোঁয়ার গাঁয়ের লোঁয়ারলি দেবগাঁএ भीउ। (पवी नक्ती जूघि जनि नोताप्रव। রাম বলের মান্য আমি মানুষে আমার জা মানুষ হইয়া করি মানুষের कमा। বুক্রা বলেন শুদ রাম আনন অবভার ভোয়ার অবভার গোঁদাকি কৌতৃক অণার। মুৎস্য অবভারে করিলা দেবের ওদ্ধার কুমা অবভাবে ভূমি বাণিলে সংসার। তৃতীয় অবসারে তুমি বরাছ কপ বিরি नृधिवी जारहेना (जायांत्र एनन विपाति !

চ্রিনাকশিশু অসুর বলে মহাবলী पर प्रांतर विज्वत जितिल मक्लि। मूर्रा ग्रजा भाजांन कौरने वामुख्य मार्थ গ্রহারে সংহারিলে তুমি নরসিংহ কপে। াহন অবড়ার হইলা পশুম অবড়ারে চলিয়া লইলা বলি পাডালভিডৱে ৷ লেরাম কলে গোঁদানি হল লইলে হাতে লিলা অসুর্গান মুছল আঘাতে। লেটতে পরশুরাম হইলা ভূষেণতি চ্ত্রি মারিয়া নিষ্কত্রি করিলে ব সূমতী। প্রয়েতে রামকণ হইলা নারায় থিয়া রা**ফ্ষন রক্ষা কৈনা ব্রিভূবন ।** ত্তং তাৰভাৱ অংশ কণ বিশ্বি 🕅 🗓 মান্ত্রীয়ে জুমি আপনি শ্রহরি । হ্রার না খ্রনেন রাম পুরোর বচন नीउार विन द्रांग इंडेन करठकन।

আপনি রাম তুমি পূর্ব অবতার अवशत्मे द्रोबन जूधि कविना अ°-हांत्र'। ঘত ক্ষত্ৰি হইল হবেক পৃথিবীয়ণ্ডলে সভার অধিক ছইলা রাম মহাবলে। রাবন রাজা মারা না ঘায় আর কাব বানে বৈকুপ ছাড়িয়া আইলা ববিতে রাবনে। তুমি বুহ্মা ভূমি শিব তুমি নারায়ন সৃষ্টি ছিতি পুলয় গোসাঁশি তুমি দে কার্লা যেই জন খ্রানে গোঁসাঞি ভোঁয়ার অবভার ইহলোক পরলোক দূই কুল ওদার। ভোমার চরিত্র শুলিনে লোকের হইবে মুক্তি তুমি পারার্থ দীতা नদ্মী মুর্তিমতী। হেন লক্ষ্মী আগ্নির ভিতর খুইলে কিকারন মানুষের হেন কমা কর কেন নারায়। বুক্রার না শুনেন রাম পুরেবি বচন भीजंभीज बनियां वाय करते । कन्मन । বুক্রা বলেন অগ্নি ভূমি ওঠহ সত্ত্র রামের দীড়া দেহ লইয়া রামের গোঁচর ৷

ব্লার আজায় অগ্নি ওটন মতুর আণনি মাদ্রাইল আগ্যি পাবকভিতর ( কান্ত পূড়িয়া অমার হইল বুঘ নিকলে আপনি ওঠিল অগ্নি মীতা লইয়া কোলে ৷ অগ্নি হইতে ওচিল মাতা কীতা ঠাকুৱালী আদকে পৃতিবার ফাঘ গায়ে পাত পানি। দীতার ঘাতার পক্ষ ফল সেহ না আঁথেরে ত্রেজহাতে রহে मीडा রামের গোচরে। অগ্নি বলেন লোকের পাণ পুনোর আমি ন্যাফী লুকাইয়া পাপ করে তাহা আমি দেখি। আমারে ভাগুটেতে কেই না পারে সৎসারে मीजं नरहत जांनेनि (एवी नक्की जावजादत । আতি হইতে হাম আমার সফল জীবল মীতা হেন মতী স্থা করিলাম **পরশন** ৷ আমার ৰচনে রাম স্বীতারে না দিহ তাপ রাজ্য প্রভিবে ভোমার স্বীভা দিলে শাপ। যেই স্থা শুনিবেক স্বীভার চরিত্র দকল পাপ মণ্ডিবেক ছইবেক পবিক্ৰ!

রামের হাতেহাতে দীতা করিল সমর্পন এতের বলিয়া অগ্নি করিল গায়ন। বুহ্না বলেন রাম তুমি বড় করিলা কায बार्व शावियां वक्षां रेक्नां (मरवव अर्थायः) তোমানাণি আযোবাার লোক রাথেতে জীবন দেশে ঘাইয়া সভাকার করিবা পালন। ভরত শরুমু পান বরে ডোমার ভরে মারি ভাই মেলি রাত্য কর গিয়া সংসারে। লালা যত করিছ করিছ লালা দাল হ০-শে রাজা করিয়া তুমি আইস নিজ ম্বি দুশর্থ রাজা মৈল ভোমা অদুশনি মৃত বাপ আমিরাকে ভোমানমুগিলে। दान (एम तागठमु जन्यत प्रम्न पर डारे कर बार्निक हतने वसन। দেবর্থে চড়ে রাজা দেবের বেশ বিরি द्राय नक्क् ने मीउं। शिवां जिन जरन नयकृति। হাতে বিরিয়া পুত্র হঠু ক্লাজা ক্লে ভোলে नक्र हम पिन दांग्र नम्मात्वर शिंदन।

অন্তকে পুড়িলাম আমি কৈকেয়িক ৰচলে পুাৰ চাজিলায় বাপু ভোমার অদর্শনে ! বাপের ওন্ধার কৈল যেল আঞ্চারক প্রান্ত তোয়ার পুনাং ব আঘি ন্তর্গবানে বনি 🖟 দেহগাল ঘুক্তি করেল ভাকল আমি খানি দশরুথের ঘরে বিষ্ণু জনোকেন আপনি ৷ লক্ষ্যের ঘত শ্বল দেবতা বাথানি রামের দেবা করিয়া লক্ষ্য দুই কুল তিনি । মতল হইবে আঘাব্যার প্রতিম তুমি রাজা হইয়া সভার করিবে পালন। দীতা ববুৰ চরিত্রে আমার চম-কার जिंदि श्रेष्टी रहेन बर्दे पूरे कुन अस्तोत्र । ডোগ্রার কনিষ্ক ভরত ভোমার পুলিসোম্বর আ্যা দেখিয়া পালন তাহে করিছ বিস্তর। তার মা বলিল ভোমারে নিষ্কুর বচন মায়ে পুণ্ডে দুই জালে করিয়াজি বর্জুন।

এত্তের ঘদি বলিলেন রাজা দেশর্থে বাপের আগে রঘুনাথ বলেন ঘোড়হাতে। মম দুংশো ভরত ভাই হইয়াতে দুংশিও তুমি হেদ বাপ বৰ্জ্ম নহেত ওচিত। ভরতেরে বর দেহ দেবের বিদ্যমানে ভরতেয়ে বর দিলে আমার প্রীতি মনে 🛙 ব্রামের বচনে রাজা করিল সমি্রান্ ভরতের শুদ্ধি আহার অমৃতসমান। ভরতেরে বর দিলেন দেবগাল খানে আলিপন দিয়া তোষেন পুথা লক্ষানে। রাঘের দেবক হইয়া দুই কুল হইলা পার ভোষার যশ দুষিবেক সকল সৎসার। সাতা ববুর তরে বলেন পুরুবার বচন আয়ার ৰচনে তুমি দাইল কন্দন। हर्ण यांम जिल्ल यांडा व्राक्तस्मत बरत অবিচারে রাম ভৌমায় দেশে শইতে নারে। অগ্নিখনা হইলে তুমি বুক্ষার বিদ্যমানে ডোমার চরিত্রে চমক লাগিল ব্রিভূবনে।

হে সুর্ণি শুনিহেক ভোঁমার চরিত্র সক্ষ পাপ ঘূচিবেক তার হইবে পবিব্র। দেবের রথে চত্তে রাজা দেবের বেশ বিভি न्य वर्षे मार्क्षेद्रशिक्षान सर्गन्ती। अवोक्तरव क्रांवन नेजिन हित्र नं क्रमत इस् वरलत द्वांय वांकियां यांशं वह । সকল দেৰে কছা কৈলে মারিয়া রাবন বর মাগি বার্থ গোঁদানি না হবে বচন। वाग वल्लल भूतनात यनि निवा बत ত্ব বর্বে জীয়ে উচুক মৃত যে বানর 1 বন জন না দিনু কারে নছে ছুমিগাঁথি শ্বী পুণ্রা এতিয়া আইন আঘার সংহতি। इउ। मीज नोहेग्रा जाग्रि रहेनांग्र मुक्षी वीमरवृत जा नृध्य क्वान्तियां इस्ट पृष्ठभी। अलक यहि हेत्युद्ध हैं। हे बिलल द्रमूनांथ রামের আগে ইন্দু ওখন ঘোড় করিল হাড় । ব্রিভূবদের নাথ ডুমি আপনি নারায়ন মারিয়া জীয়াইতে পার এ তিদ ভূষন ৷

ভূমিত আপনা জান ভোমারে জালে কে মরিয়া না মরে ভোমার-নাম অংশ যে 🛚 তুমি হেন বর চাইলে না করিব আন কপে বেশৈ বাদর করি দেবভাস্মান । ইন্দের আজায় মেঘ অমৃত সঞ্চারে মরা রান্তম একি পক্তে মরা ঘত বানরে। কাটা গেৰ হাত্ৰ পা কাপে লাগে ঘোড়া ठाउँ बारदेव करेक असे कियां भी कांडा। যেং বানর পড়িরাতে রাহ্রদের রঙে ভাহারে মাণ্ড করিয়া ওঠে সংগ্রাহে। ক্ষুকর্ন যার বলি কেছ ডাক ছাড়ে ইন্জিতা মার বলি কেহ তার পাড়ে। দেবাক্তক নরাক্তক মারতের ত্রিশিরা বাবন রাজা মার আট পরনারী চোরা। ওনাত পাণাল যানর ছইল রএমলে वानदित्व देश मिन् ठानिया देख काल। কাহাত্রে মার কাহাত্রে কাট কিলের মণ গার সবান্ধৰে বাৰেৰ পাতৃপ জিনিল পাৰাম।

রাঘের কোলে দেশ গিয়া দীতাত সুদরী मकल (प्रवर्गन (एग न्याहे स्र्रान्ति। হরিষের কথা যদি কৃষ্ণি বানর মাতা বোঘাইল গিয়া রামের গাঁচর। তোমাহেশ ঠাকুর আর লাহি ত্রিভূবনে তোমার পুদাদে মোবা মরিলে পাই পুরিন 🌬 ভোমাহেল ঠাকুর যেন হইও ঘূণে ১ দেবা ৰবিয়া থাকি যেন বুনুনাথের আগে। देन् दर्णन हम अस्ट जानन स्ति घर्था দুগো রাল্রি বঞ্চ রাম লইয়া দেখী দাঙা তৌদ্যি বংসর হলে দশ মাস ওপরাস দৃশ মালে দৃই জনে হওক সমুধি। দীতা লইয়া রাম ভূমি ৰঞ্চ সুখে রাঙ্ডি प्रति (यनांनि (पृष्ट घांडे अस्त्रावजी) রাঘের ঠাঁই মীতা করিল মহর্প इत्थे ठिज्ञां शिन (एव जानेन खुवन । यशन (य रूमा विज्यान उद्योग जारत এগার শত বিহদে নেতের কাণ্ডার দানে ৷

ফার্যুননিমিত বর আপ্রত্থিক রুত্ দিৎহাদনে পাতে নেত্রে বসন। अनरत ठौरमोग्ना प्लोलन आरहेत ल्लीएअ जुनि ঘর শৌভা করে ঘেদ পরিক্তে বিজ্ঞান। শারায়ন তৈলে পুদীপ খুলে চারিভিত্তে পারিডার পুরু পাতে গল্প আহোদিতে। সংমার আলো করে গল্পে এক পারিজাত্তে এক লক্ষ পারিজাত হি,ৎ হাদদে পাতে। বিভীঘন আপনি রহিল লিয়ত্ব পুহরি আওয়ালের বাহির বানর রহিল সারিং। रेवमूलु क्रांजियां नक्सी शहेन व्यवजांत সীতার হাতে বিরিয়া রাম সম্ভাইল বাদার। রামের পাশে বঙ্গেলেশ সীড়া ঠাফুরানী নারায়নের পাশে লক্ষ্মী বসিল আপনি। রাম দীড়া দুই অনে বদিল দিৎহাদনে भूवर्व पृष्ट्य जाना हेगा पृचिन जनस्म। সীড়াং বলিয়া রাম হইল ওড়রোল রাম দীতা দুই অনে হর্ষিতে কোন।

বাম লাই য়েল মীড়া লক্ষ্মী মনোহর নৌত্তে দীতার মুখে দেন মবুর বার। সুমে রাত্রি বক্ষেন রাম বড় কুড়ছলে मि°-इमिरन दमिल द्रांग मीज लहेगा क्रांल। দুশ মান্দে রদ্দাথ প্রতির আবেশে পুর্বাসির চন্দ্র যেন রাহতে গরাদে। সূরনের মাটপাট নেতের তাহে তুলি प्रणं यांत्मत आरवाणं पूरे जान कोनांदले नि १ मृत्यव घउ पृथ्य नोहेशांटकन प्रवी मीजा সময় পাইয়া মীতা দেবী কছেন সৰ কথা। দুই জন ভিতিলেন হর্ষ চন্দ্র জলে শৃমিরকৌতুকে রাম বঞ্চেন কৃত্তুল। मीरांकने पिणियां द्वाय पद्यशीदिन দীত। লইয়া রগুলাথ বঞ্চেল ফুমে রাভি। যে জন শুনে ভানে রাম সীতার বাসরকেনি जाना। शिल उरित्र भेत्रसम्भती। ন্থে ব্লব্রি পুভাত হইল পুত্যুঘ বেহান म् । यजा नीजान करत्र आतांत्यत् (मग्रान ।

রামের কাজে দাণ্ডাইজে ঘত বাদর্গান ্যাতৃহাত করিয়া বলে ক্লাক্তস বিজীবন। জুণান্ধি নারায়ণ তৈল জুণান্ধি কন্তুরী আজা কর ডোমর গার ওপাত্ক মলি । नांना दुष्य भेद्र शिमानिः (घरां घथां नांशी সুবেশ হইয়া দেবকনা রহিল রামের আগে। দেব দানবের ক্রমা ভারা কণ ঘৌরদ বেশে দুশ ছাতার দেবকন্য দান্তাইল রামের পাশে। চৌর্দ্দ বং মর বনবাদ আর রএই দি আজা কর ডোমার গায়ের ওপাত্র মলি ৷ রাম বৰেন বিভীয়ন রাক্ষস অবিণত্তি আমার ৰচনে ড্রাম কর অরগান্ত । বাৰ্মিক বিভীষৰ ভূমি বৰ্মাশীল ময় পরস্থী ছোর তুমি আমার মনে লগ্ন ধ পরস্থী পরবিদ শা চাই চচ্চুর কোদে আজুক জুইবার কাঘ না চাই নগদে। कोहिर प्रावद कना। नक गैरे कदि তবু সম ৰবিতে নারি দ্যাতাত সুন্দরী !

বাজকুৰে অধিয়ের আমার ভরত ভাই স্থা वांचांत्र प्रश्ला उस्य छोटे रहेमांटलन प्रश्ली। हत इद्राउद्ध यदि दिलांग यानिसन उरराम पेतिर रच मूर्गिक क्स्ता। होम वर्भन पथन्य जुशिनाय विखन , অনেক নদ নদী আহি ভবিনাম সাগার। होत् वर्मह (बज़ाईलांध वस सुरम হন ঘূজি করে যেন কাট ঘাই দেশো ই जिस्ब ररलम नुज नाहेना राज (कुर्म र दिनजिंडर इंडियांग्र धूरेब नरेग्रा (देने। रारदेव वय जारह नेव्य जात नीय হ দিবভিত্তরে ভোঁঘা খুইৰ লইয়া পাুঁঘৰ ক নান ভাছি ঘোরে করছ খীরিভি ত দিন ল**ক** য় **থাকিয়া করহ বসতি।** কৰ ক্টকের গোসানিং করিব সেবল **কীর ভিত্তর ভোগে ভৃত্ত্বি করিছ গাম**শ

রাম বলেন পুতি পাইলাম ভোমার ব্যবহারে বিদম্ব লা কর তুমি আমা রাথিবারে। আহার নাছি মাঘ্ বালর ম্রলনাই গলে হেন বাদরের পুতি ছইলে আমার পুতি মনো ने शक्त क्यान बांनदि कहाई मान पान লহার ভোগ ভূঝাইয়া বাশরে করাই সন্মান। বানরের শুসাদে ভুমি লঞ্চার হইলে রাজা হালমতে কর তুমি বানরের শূতা। রাঘের আজা পাইলেন বার্মিক বিভীষ্ক नातां जाता मृति कहारेन जाकन दानव्रीवा সোধার থাটে বাবর সবারসিল সারিং मुनिष्ठा नरेगा जोरेन अरुन विद्यादियी। (एव प्रांनरवर्ग क्रमा) सब शिक्षवर्य क्रमारी ক্ষ্যার কণ দেশি বাধর কিচ্ছিচিয়া হাসি। ক্ষ্ণিক্ট্রন কন্যার পত্তিল লাগে ছাত্ত ৰানত ৰসিয়া গাইল অন্তবে কাশ্ ৷ ক্রান্ধি নারায়ন তৈন স্থান্ধি চন্দ্রন ছাতাহাতি মাথ্য সভে ভাকে বান্ত্রাল ৷

দান করিয়া পরে সভে বিচিত্র বসন প্রনার পুরে**র মালা নানা অভর**। দধার ভক্ষাদুরা ত্রিভূবনের সার বিভীষনের আজায় দুব্য আইল ভারেভার। নানা ভক্ষাদুবা আইল খুইতে নাই ঠাই म्बर्धारल पेडिरवरणे बांनत विम भारे । স্বীর সাত জাঁবর মদক রাশিরাশি ণাকা কাঁঠালের কোশ বালর সৰ চুচি । মবু শিয়ে বাশর সব ভরিয়াভরিয়া গাড় গানভার মাত্র কেই ভাগার ঝালের দাড়। বাললাড় মাইতে বানরের চক্টে পড়ে লেহি বা<sup>ৰ</sup> মা মারিল যেল বানরে পাইল মোহ । গৰায় আঁচড়ায় ক্ছেছ করে যৌথেশ বুড়াং বালর বলে হতে বাজিয়া থোন দোনার আবরে বাদর করে আঁচমন রব্দিৎহাদদে বদিয়া করে তাদ্ল ভক্ষর ১ র্জুনি॰-ছাদনে বানর করিল পায়ন শা মদ্দি ৰবিতে আইল দেবস্বনাগাল ছ

মোলার মাটে শ্রইল বানর পত্তে মেলে इण्धः मुक्तती अक्क रामाद्रव काला। য়াহন য়াজা আনিয়াকে ক্রিভূবনের নারী अस्टर बांनदब्र काल्य प्रण विषाविती। সুথে ৰঞ্চিল বাদর রাত্রি আপদ কুত্ছলে ৰাত্ৰি পুভাৱে ওঠে অভি বেহাল বেলে <u>৷</u> मूर्थ ब्रांति ने्डांत इहेन ने जूष (बहारन কণালে ফোটা সভার হাতে ওলা পারে। সকল বানর আইল বায়ের গৌরের মাড়া লোয়াইয়া রহিল রামস্করাবর 🏗 তুমি হেন ঠাকুর মোর হইও ঘুণেং সেবা করিয়া থাকি যেন র্গুলাথের আঁটাং ব্ৰামের জাগে কথা কৰে সকন বানরগাল ৰত প্ৰীতি কৰাইল বাঁলিকে বিভীষৰ 🖠 কন্যাণ্ডলা লইটা করি দেপেরে গাঁহক भेडे जाको कर पुष्टु कम्मरमाहन । আঁজা কর লঙ্কার ভিড়াই থাকি দুই মান বানরের ভৌতুক দেশিয়া রুমুনাথের হান।

রাম বনেল খুন হলি রাহ্নস বিভীয়ন ৰন্যা দান দিয়া তৃঘি তোম বানর্গন। বানরের পুনাদে ভূমি লঙ্কার হইলা রাজা চান্মতে হয় তুমি বানরের প্রা ৷ বামের আজা পাইল তাহে বিভীয়ন দাবা নানা রস্থ দিল জীছে আর গাজমুকুরা ৷ ভিরাশি কোটি ভাতার বিলাইয়া কৈল শান্য আর্থার দলৈ করে বেভারে অধিক ন্যান ৷ নানা অল্ভাবে বানবে করাইল সমান राष्ट्राम (वर्ष्ण (पारवह कनार्ग वांनरत करत पांन 1 হত দান পাইল বানর ডাঁছে নাছি মন ৰন্যা দান পাইটা বালর হরিছ বদ্দ। अत्य बानहत्र भारेन रूपी। अस्त्री বানবৃক্টক বলে গোনানিং দেশেরে নভি। শুষুক র্থ আনিলেক দেব অবিদ্ধান गर्भव डलव आंअप्रांम लेभवी सामर।

मणी (पांजन तथाशीन भोटक मनवक्र) ৰাড়িতে মন কৰিলে হয় কোটি ঘোডান ৷ भंचक कृष्यंत अनेत त्रांजरू का पारि ठक्त निरास १ थे (पांजरनक नेर्ज़ । भूवक त्रध हर्जन ब्रांग मीडा नहेग्रा (कांत्न नांटज सक्ष हां विरंत्तन क्रीड़ां (नाउत जो धन ) नक्त्रन वीत ठिएलन शिवां भूषक दूर्थ এক পালে বৃহিলেন বিনক বাল হাতে ! রুখের ওপর রুদুর্নাথ কটক ছুমিওলে পুদল্ল বদলে রাম মইর ৰচন বলে। স্গুতিরে পক্তি আর বানরের হানি रिजीवर अंत्र प्रहांग् जांगि पूर्जुग्र निहा जिति। কোনং দেনাপতির কি করিব বাথান সৰব কাৰ্য্য সিদ্ধি মোর করিল হন্মান। আপনার দেশে গিয়া সভে কর অহি হার যোগালি মাণিলায় আমি করি পরিহার ৷ ব্ৰাহ্নদ বানৱে হাম ছিলেন মেলানি অল। করিছে কটকের চক্ষের পালি।

যোত্হাত করি বলে হাক্ষম বাসকাৰে ভূমি রাজা হইবা আমরা লা দেখিব নয়নে ! কৌশলা মাঘের করিব চরল কন্দন ভোমরা চারি ভাই হুইবা একরে মিলন। ३ ठटक ना (एधिलांग डांगांत मगान विषां प्रमा विचारिक किलांस विज साम। দেশে ডোমানভার ঘাইতে নাই চিক্তে य योदर (म ठउ शिश् विद्वार हर्थ । বামের আজা পাইল ঘদি রাহ্মদ বাদক গাফেলাচে ততে গিলু রুখের ওপর চ ৰূপেৰ প্ৰশ্ব আওয়াস বিচিত্ৰ ৰাজী ৰেজা একেক বানরে করে দুর্প বাড়ী ঘোড়া ১ य नाका नाइग्रांदल एण्ड म प्रवि দেই লাফা ফোড়ে গিয়া দুশাং বাড়ী ৷ বনে ভালে বেড়াইড বাদর ঘডে১ रिरक्ता नहेवा वानंद्र हिन शिक्षे दूर्थ। তিৰ কোম্ভি বাহুদেন চলিল বিভীছৰ র্থের এক কোনে ছািয়া রছিল বালর্গালা

ছব্রিশ কোটি চড়িল রামস্ক বালর এড কটক চড়িল গিয়া রুখের ওপর। স্বীড়ার ওছার করিয়া রাম চলিল নিজ দেশে লক্ষাকাণ্ড রুচিন পণ্ডিড ক্যীর্ত্তিবাদে।

দেতের ফানাত দিয়াকে দোনার চৌঙরি তাহার ভিতর রছিল রাম মীতাত সুন্দরী। বিবল বনে রাজহুৎ-ম প্রদের গাঁতি রুখে আনি রাজহুৎ-ম ঘোতে নাঁতিং পুল্লফ রুখ লইয়া রাজহুৎ-ম ওতে চফের নিমেষে রুখ ঘোজনের মান্তে পজে। প্রন্তামনে রুখ ঘায় ঘুখাত্থা মীতার তরে ফুহেন রাম মুৎগোমের কুখা। পুল্লফ রুখ গুরিব গিরা গগান্যত্তল মাতার তরে দেখান রাম মৃৎগোমের মুল। ইন্দ্রী মীতা ভূমি দেখা ভান্যতে রামা হইল রাজ্য বানরের রুজে।

গোলে কুটুকর পজিল ছোর দর পদ এইমানে ইন্ডাভিড পড়িল বিস্তুর করি রঞা ज्याति पदिनांग मीला नारापांचे वक्सन লাগেশাল মুক্ত হইন গ্রহত্ত্রলানে। এথানে পরিল লক্ষ্যুল রায়ল রাজার পৌলে হন্দান ওছবি আনিল নেষেএর বেংলে 🎼 এইথানে পাড়ন হাবন ব্রিজ্বনের বৈরি ্ট্ৰালে কাৰ্দ্দিল গিয়া বালী মন্দোদ্ধী। मांगरत्व (एथ मीज़ हिल्नांन कल्नान আঘার প্ৰহন্তিৰ এই করিল সাগর্মাল। खांयांव नोगियां कीजा शिक्तायांक जातांक ৪৭রে পাত্র হেটে শাল পিয়ালা মীতা বলেন <u>প্</u>জু রাম কমললোচন দাণির বালিয়া দেলেতে করিলা গায়ন হ রাবন আবিদ আমার দলাটে লিএন বিলা দেছি সাগিরের করেছ বন্ধল। তারিল বছিয়া অকল রাক্ষম হবে পার न्थिवीरत मा थ्डेरत जीरवंड मकांत ।

वांग्र मीडां पृष्टे जतन करइन कांहिनी সপ্ত পাতাৰ থাকিয়া তাহা দাগির দেব খান। শাতাল ছইতে প্রবিয়া সাগির ঘোত করিল হাত আমার বচন শ্রন গ্রন্ডু হুদুনাথ ১ আমারে হান্দ্রিয়া করিলা সীতার ওম্বার আননা পাইলা হল্ম রুছিল আহার ৷ তুমি ঘদি লা ঘুচাইলে আমার বন্ধন তিন ঘুগো বন্ধন ঘূচায় আছে কোন জন ৷ मिशित्व (बर्रल वांग्र नञ्ज्ञात त्नहारल रेन नहेगा नक्का शेव नामिन जासीता। বিন্র হলে পাত্র তিন্ধান মুশায় দুশ যোজন করি তুথান একেক পথ হয়। তামিল ভাষিল জল ৰহে মার স্ক্রেমত नाफ दियां नक्का अर्थन शियां त्रध्य ह ফীর্তিবান শণ্ডিত্বে ল্কাকণ্ড সার ভক্র নিয়েছে রাম স্গির হৈল শার।

वाम रालेन खेन मीडा जोगों दे रहन লিব প্রা করি না করি নেশেতে গথন। শিবের পূজা করিতে রামের লাগে মন রাঘের মন বুঝি র্থ নামিল ড॰ছ।। বালির শিবে সৎস্কার করিল লঙ্ক नक्ष रेराउ इन्यान जातन गंज ठमन। দান করি দিলেন যাতা দীড়া ঠাকুরানী তামিলের ওপর শিব পুতেন চক্রপানি। তামিলের ওপর শিব প্তা করিন রাম ভেকার্থে সেভ্রক্তরামেশ্বর নাম। পুষুক রুখে চড়ির রাম দীতা লইয়া কোলে রায় দীরা দ্বী জনে দোলার চতুদের্গলে। চত্দেলির সারীয়াকুর ইব লক্ষ্র श्रीय मीडा पूरे जान करह न्वर्वविहत्न। जित्रण कोहि (मना लहेशा मृत्रीरहत प्रवान मडांत अनेत तांग मोउांड प्रीन। সমৃদ্তীরে দেখাৰ সীতারে বানর আওতা দ্র দাজহিলাম তথা গাচের লভা পাতা।

লভার বক্ষম ঘর শাভার চাওনি একেক ঘোজনের পথ ঘর একথালি ১ এই থানে বিভাষতের সহিত মিলন এই।ধানে সাগির ঘোরে দিন দ্রুলান। কিম্বিকার দেখা এই গাছের ম্যানি স্পূৰ্ণীৰ জিব্ৰ কবিলাম যথা মাবিলাম বালি। सेषाञ्चला अवर्वेड (यक्षा अह (य (णलाद বানর সণ্ডীর মিতার ওছার ওপর মর । भीउ। वरनत वृद्यताथ ऋग्रल्याहन এই প্ৰক্তে ছেথিলায় ৱানৱ পশ্চ জন। क्षांत्रज्ञ क्लिंड् एवनिनांग्र भिरत्रद्र व्यवद्रब রাম লক্ষ্র বলি বিস্তর করিলু কর্ম। পাতা লভা বিব্রি আমি র ছিনার মনে ३५६ वनि द्रांदन हुन देवि होत्त । রাঁয় বলেন লাছি কছ মে সব বচন ত্রেমার হরে রাববের হইল মরল! को क्वा किन आंव वांवन ने ब्राय ভব চল বিবি বাৰ্থ হইল অলুম্থ ব

न्यां नहीं एथा भीजां निर्मान जल মত্র নামে বুহ্মচারী চিল ওহার ফুলে। দান করি বসন মূলি রাথিয়ালে তালে সহসূ ব**ং শর হৈল ওবু লাহি গালে।** গুরুমাণনে কবজা যৈল ঘোর দর্শন ক্ষেত্রপাদ ছাত্ত ছার একেন্ড ছোতান হ जहीव नाक्षक सान भीजो प्राची प्राचि তাঘানাণি ঘুদ্ধ করি পাল দিল পাহ্নী। য়াদিয়া ঘর দেশ করিল লক্ষ্মন ই ঘর হইতে ভোমায় লইল রবৈন। ডামার হারাইয়া মোর হইল অডাস रेषदर कतिन् मोडा पृष्टे अनेतान। रत जोत त्रवस्ती प्रधान मुस्दरी रम् वांक्रम भव प्षानत्व यांति। भीखा मनित (राध यान नक्षरहेरें . ण्यांतरङ मूर्वनिधांत तांक कांन कांहि।

नै (प्रा) मृतिक पोज़ मत्हरीयक विन्क बांब घथां (बांदर फिल पूर्मार । অস্তিক মুনির বাড়ী মীড়া এই কড দুর विभारत पित्रला मीडा जश्रहारी मिन्स्त्र। কুত্ত নৃদীয় এরে মতি। আইলাম সন্মিবীৰ বাপের মর্ভবার্ত্রণ পরিয়া দিলাম পিও দানঃ হাতে পিণ্ড লইতে বাগা আইল গোচরে শাস্থ্যবহারে খুইলাম কুশের ওপরে ১ मन्द्र प्राथ अहे आहेलाय हिन्नकृष्टे प्रश्राउ আমা দইতে আইল ভরত হাজা দমেতে। রশিশু নার্দ আইল কলের পরোহিত। চর্তে বিরিয়া ভর্ত বলিল ভুরিতঃ ভরতের বাক্য শুনিলে বাপের মত্য নড়ে কাৰ্য্য মিছি ছইল মীড়া মকন মনে পৰে! निस्तद स्था ने गोरहत् म्यांन যাহাতে মিলু আজে মোর ওছক চণ্ডাল। मिक् भाग एक मोड़ा भारत ग्रांनि वाद्यांद डारे जारह त्यांद डवड मदांवनी।

নদিণা্য খনি বানরকটক কোতৃকী व्राथत अनेत्र थोकियां (मराथ मियां अकिक्कि । দদিগুরিয়র নামে বানর হরিম বিশেষে বানরকটক বলে ঠাকুর আজি ঘার দেশোঁ রাম বলেন ভরদাজ দেখা চ্রিকুটে মূলি সম্রাঘিতে মোর বাতে হবে বাটে। মুনির চর্ল বনিতে রামের হইল মন রাঘের মন বুকিয়া রথ নামিল उৎক্ষ। মূনির তালাবনে রাম করিল পুরেশ সংব লোকে হরি বল রাগ্র আইল দেশ। মুলির চরতে রাম হইল লম্ফার দেশের বার্ফা কহ মূলি ঘেবা জান মার ৷ চৌদ্ধ বিশ্বর বনবাদ বা জানি কুপল जायांत्र पृष्ठत्था छत्उ छाडे इहेग्रास्त्रन प्यतन। মাতা বিঘাতা মোর বাপের ঘত রাণী কেবা যৈল কেবা আছে কিছেই লা আনি। মুলি বলেন রাম জুমি না হও ওওরোল সকলতে ভাল আচেন আবেশে দেহ কোল।

মাতা বিমাড়া ডোমার কেই দাই ময়ে पर्यं शिद्धां मजारत प्रिधारव बरतबर्द । (उांग्रीड डाइ डड़ाउड़ अने वर्व काहिनी ठांबि पूर्ण जिज्रात (बांधां ना श्रानः) চতুদ্দেলি সিৎহাসন এতিন শাটণাট হন্দ্রী ৰোজা রাশ্রি ভরত স্থাম বছে কটি। গীতের বাকন পরে ভরুত্ত অটা বারে শিরে ज्ञानित् मोद्रोग्रं हेन्स मी ग्रांहक्ष भवीदद्र । রাজা হইয়া জরত দহেল রাজভোগী अनिह श्वार्षा अस्त्रन (पन नेत्रभएपंति १ রুত্ত সিংহাসনের ওপর শেন্তর বসন পার্ডি छायांत भोज्ञा खहेगां जारह देखान एक जाउ ণাদ্কার হেটে থাকেন রাফ ক্ষুদার্চমে ৰশিক্ত নাবৃদ্ধ শইয়া থাকেন বাজকমে। (एग्रांन अक्षेत्र डब्रुड यथन बरद याँग्र তোমার পাদকার ঠাই মানোল বিদাদ। ম্নির কথা গুনিফা রামের লাগিল ভরাম ভাই দেখিতে বুলনাংখর বাজিন আবেশ।

म्नि दरनम इतिहरू जहिनो आर्थाद चढ ভোর্যাদরশনে আর্যার জীবন সম্মন। मुन मक्न पंज करत विष् आंतरितन দেই বিষ্ণু আমিয়াছেন আপনি নারায়ৰে। আগদি বিচ্হু বৃদ্ধাধ আদিয়াল আয়ার পাশ ভৌমাদরশনে আমার এখাই स्ताबाम। घउ पृष्ठभा निष्टेलां द्वांस प्रथक खदाना ভারে অধিক দৃষ্টেশ পাইলা দীতার হরনে ! আণনি বিস্তর দৃষ্টেশ পাইলা দুর্জুয় লন্ধার রবে मकल पृष्ट्य भौनीहिलां श्रांतिशः द्वांवरल । মরিল পাপ দেখিলে তুমি লঞ্চার ভিতর हेम् जीयाहियां पिन यहां यउ वांनव। মকল কথা জানি আমি ব্যানের করিবে আমি এক বর দিব আত্মে মোর মনে ৷ আগ্রার স্থাচে আইলে আ্যার পরিতের তরে महन करेक ज्युदित जाउधितावशंदत्।

खांगांत पुंमांस मोहिए नध्ह ग्रांन আজা কর চুপ্রাই ঠাট সত্তর অফ্লৌহিনী। দিব্য আওয়াস দিব গোসানিং দিবা দিব বাস্ ভালমতে করিব ডোমার কটকের জিডাদা। কথাবাত্তীয় ভোগ্ৰার সংগ্র বস্থিব রুজনী রাত্রি পুভাতে ভৌগ্রাহে দিবত মেলানি। কাম বংৰৰ মূৰি গৌদানিং অলঞ্চা ৰচন আজি হেখা থাকি কানি দেশেরে গমন। আশনারে পাছি চাই বানরের ভরে বানরের আহার মিলুক ডোমার ডপের ঘনে। তোমার দেশে ঘত আচে আমু কাঁঠান অহালেত্তে ফল ফুল বৈক্তৰ তালেতাল ৷ श्रीपान शीह मुदुबब कन कुन भीड़ গাঁচের তালে মুগুর স্বাহ্না লাণ্ডক চারিভিন্তে निक्रांग थोलियां वानत ज्यापविराग्न प्रधान यो श्वरवास थाकियां (धन छन द्वि छित्रां भाषा । घाउव दत्र ठीन द्रांग मक्न (एन शिव् নানা অমৃত থাওয়াইয়া সকল কটক তৃচি।

যুক্তপালায় ভঃমাজ করিক বেঁয়ান সভার আন্টে বিশ্বকর্মা আইল আন্টেম্নি বিশ্বকর্মা নির্মাণ করিল মোনার চওরি मिनाइ बाहे बांक्सिकत बी वं नुष्य दी । আশি যোজদের পথ করিল বাদ আওড়ন ज्ञातांदजी सूर्ग (यत करिन रावेन। সংসার আদিতে মূলি পারেন বিয়ালে (त्रक्ता। लडेखं युनि जाडेन (महेश्वारकः ৱাঁই২ বিচিত্ৰ মোনার নাচশালা पित शिक्षणर्व उथा विष्वादिवित (यला। ভর্মাতের তপের ছলে ব্রিভ্রন যোছে शक्षां यस्तां नदी (महेकांतन दह । আঁরবার ভরদাতা ঘূতিল বিয়ান वाधिन नद्यी (पर्वी इहेन वाविकांन ! नम्भी (पवी परज शिशां कहिल इन्हरू ইনুক্লা ক্রিডে লাগিল পরিবেশন। মোনার থাল সোনার তাবর ঝারি পাঁড়ি আশি যোজনের পথ ব্যান্ন সারিং।

म्बर्गित समार्थ परिस्टल क्षण बरम धार् তে অন দিয়া ঘায় দেখিতে না পান ৷ লাডু পাঁপড় ভিলয়োদ্দ রালিরাণি পালা কাঠালের কোপ বাদর বদিয়া চুছি। মুবু পিয়ে বানর কটক ভরিয়াভরিয়া গাড় গাল ভরিয়া থায় কেহ ভাগর ঝালের লাড়া য়োললাভ মাইয়া যানরের চক্ষে পড়ে লোহ বাণ মা মরিল ঘেন বানর পাইল মেহি ৷ গানা আঁচড়ার কেছ করে থেনিদোঁ ৰুতাং ৰানৱ বলে খণ্ড নিয়া থো। ঘূৰক খানৱ সৰ করে লানা কেলি भावांत्र मांग् थाकूक पुरा ठांतिमिरी (छिन्। क्षीत कीतमा कीरतत नाज युगमाञ्जन उप्रजा 6 जुरे मूर्ति नाविरकन भूनि। পার্ম ব্রিকা বালিয় নাম ভর্পত হসুকারি মনোছর। কলাবড়া নাম। স্ণাতির কমল জন পাঁচ্ছ শিষ্টাক স্থে ভোজন কৰিল পাৰামেৰ কটক।

(परत्यांगां डक्का (डांगे आहेरड मूर्यांष्ट्र घउ नात उउ भात भारित म्यांद्। গণাদোদর হইল বুক পাতে ভাটে আচ্যন করি শুইন মিহাৎ মন থাটে ৷ ওলিপুরা ভাষরের পরে ফৈল আচম্যৰ 🦠 म्बर्णादि खरेगां करत् जामून छन्नन । (मानाव धारहे खंदेन बानव नेपांउरन मर्गः। सुन्द्रदी अरहरू बोनरङ्गत्र रहारम । লক্ষা থাকিয়া কন্যাওলা আমিয়াতে সংহতি বানরের ফোলেন্ডে লাগিল পাতিপাতি ৷ কন্যায়ে সভে শেভিক সভার গলা এক মৃত্তে গাঁখিল ঘেন পারিআভহালা। (रदवनमें क्रिक्त क्रिक्स निर्मे योग मुस्क মুখে রাত্রি বংগ্ধ মতে আপন কৌতুকে। রাম লক্ষ্ম দীতা করিব ফল মূব ভক্ষ রায়জনুং বলিন্তা আঁকে বালরগান চ मृत्था वादि बरक बानक प्राकृष्ट्रान রাত্রি প্রভাবে ওয়ে অতি বেছানবেলে।

ব্যক্তি প্ভাত ছইল প্তায়বেছান বার্তা কহিতে দেশের তরে চলে হলুয়ান ৷ निम्तृतांत्र घारेवा छारे छद्र उद्याप्तां য়োর কথা ভাইরে কহিবে জপেন্ন বিশেষে। শ্বীবের পুর ভূমি যাবে আণ্ডগ্রান চণ্ডাৰ মিডেরে আমার আনাবে কল্যান। চন্দ্রের নিয়েষে হনুয়ান ওচিন,গণাল ভর্তসমুদ্রিতে ঘান বৃদ্ধিত গায়ন। यानधान हिस्सुन शेत्र वेदनसम्बन কোন হলে ওছার আগে দির দ্রশন 🕽 মুভাবে মণ্ডাল জাভি বড়ই চপ্টল বানরকণ দেখিয়া যোৱে করিতে পারে হল। মুনহাক্রেণ ভেট্টির ওছকবিদামানে वहे चूं कि यानयान करत इन्यानि। গ্ৰুমুখ্য বৰু ভাছা ছাঙনি সৰ শাড়া অনুমানে হনুমান বলেন এই চণ্ডালপাড়া ৷ हरका निराय जिन म्मिया भूत বাদর্ভণ ভাজিয়া মদ্যাহ্রণ বিরে।

का के हुन हुन विस्तिति को नित हिन्दिन ग्रन्धादरने हन्यान तोन विमामारन । प्रयोग्न विम्यांक्त ठणोन गनाग् नुषुरांत হন্মান বার্তা কছে শুলহে চণ্ডাল। ব্যায় লক্ষ্যার (ভাষায় জানাইনেল ফল্যান মিত্ৰ নিদ্ৰালতে চৰ ভাতহ দেওয়ান ৷ इदिएस ठउनि मृत्ति शहरीह जात दांग नक्क्षन मोडा प्रवी कड मूरत आहेरम। কানি বহিত্রাজেন রাম ভরদাতের পুর পথে দেশা পাৰে কামের চৰছ দাবুর ! হাম লক্ষ্যন কাইল পতিয়া গেল মাতা দান্ত্ৰ**্ত্ত বাদ্য বাজে লাচে চণ্ডাল্**লাতা । ওভ করিয়া হাটি বাল্যে টানিয়া পরে ইড়া দানা অস্থ্র মাতে জারি শেল ফ্রক্ডা। চত্লিণে হাত তুল বাজায় চামুচি धक्य है। क्या करियां ठणात्नव (क्योज मांहि। नोटिटर हुअल अब जानम इहे। य जाज्य ठउरिन्द्र सांघ मारठ ठउरिन्द्र सारप्र

उर् वाल देशां यह । हां में जांद्र हस्बू धिनुमहोद्याल नहेरव मान्टकर प्रन । ওতা ভরিয়া মুম্মা নইবে কৈ ওৎপদ পদ্মের মনাৰ কটকে আরু পানিফৰ। इलिन छहांबु खोज दशरफ दियां स्नान সাত কোটি চন্ডাৰ চলিল ওছার ঘোণানঃ अरक्क ठणांन किंदिन स्विधार वेपरंड সকল ঘৃতিয়া ছলিল সাত পুছরের পথ। লানা দুৱা লইয়া ভেছা হায়ের কাচে এড়ে ই।মের ই।মিড পাইয়া বানবে সাব নাজে। রাম বেশল মিঙা ডুমি জান্ত হে ফুললৈ छहा वरन द्राम जूरे ज्योरेनि ভारन्छारन। তেহার কথা ভানিয়া হইল বুলুনাথের হাস इांग बलन गिड़ा ३ (व जांदित महाव। চণ্ডাল জানে রাম না করিল মনে वृत्थ छनिया पंहांतः विस्तृत जानिस्तरः। व्यानीय वीक्रवंद अग्रेड विक्रांनि ভবাল বালর রাক্ষম লইয়া হামের মিডালি ৷

সাত কোটি চণ্ডাল কৈল রামসমুখন ্যি থিবামাত্র ডণ্ডাল সব গেল স্বর্গভূবন। গ্ৰিমন্ত্ৰাঘতে হইল পাণ বিহোচন স্বর লোক ক্রেণি গেল চড়িয়া বিমান ৷ বামরাম বলিয়া **ঘদি মরেও ভণ্ডাল** দৰ্ব্যা দে হ্বা খায় তন্ম নাই আৰু ৷ বানরকণে হনুমান ওরিল গগাে চরত সমুখিতে যান স্থরিত গমনে ৷ নানা ত্রীথ এভাইল নদ্ধী নামা স্থান গোমতী পার হইলেল পরমদক্ষানী। হেটে লানগাত্র এতান তিম পত যোজন নদিগোম ওতার্ব প্রস্কুর । গণান্যশুৰে ধীর রুছিল অন্তরীক্ষে असुरोक्त थाकिया दीव निस्तां या (मरासा গাড় প্রতিরে দেখিল প্রতিত্র স্থার হস্তী থোড়া দেখে বীর প্রত্ত আৰার ।

দিৎহাদেরে ওপরে পালই বেডিয়ারে মেতে শ্বেড চামরের বাড়াস পজিছে চারিভিডে ১ তিন ঘোজন পুনস্ত পাঠীয় বিচিত্র নিমান গাতের দার পোভা করে বিচিত্র গঠন ৷ পৃথিবীতে রাজা লহ্ন ক্রোটি অঘূত আটাশি কোটি রাজা হারেতে মঘ্ত ব বিচিত্র নির্মান ঘর বিচিত্র আএরাস দুশ ঘোতন একেক ঘর নাগেছে আকাশ। মর্কতের স্কুম্ লাহা মানিক রত্ন इसी (पांजा स्थान) नारे कि करह शंबन। ঠীই২ ভিডিত্র সোলার নাট্রদালা पिर पनित शिक्वत इस विद्यादिए तत समा। রুড়মিণ্ছামনের ওপর নেতের হমন পারি ভাহার ওবর পানই খাইয়া ইরিয়াতে ভাতি। পানইর হেটে আজেন ভরত ক্ষুদার্চম্মে बिन्छ मार्बा नहेश्रा जारहत वाककामा। সাক্ষাতে ভরুত বিফ্ হইয়াছেন অবিধান वान्याति चत्राउ हिन्नि इन्यान।

वातुर्वीक रहेरउ अनियां करित नुंबास তোত্হাত করিয়া বলেন আণনার নাম। হস্মান নাম আমার জাতি বানর সূত্রীবের পাব আমি পরনফোউর ৷ আপৰি বিক বুদুৰাথ জাৰু আমি দাস हे नेता भोडेलांग उर्ड खोगांड महाक ह বিষ্ অবভার ভরত তুমি নারায়ক उग्रिमित्रणंत्व इय भीने विद्योखन । কেক্য় রাজার চিল কুলের দরিনী ডোমার বাণ বিষাহ করিল কুলেরকামিলী 🖡 য়াঅমহাদেখী তিলি রাজার শবিদেশী দোহাগে তিনিৰেন তিনি সাত পত রা**নী** ? হাতার দেষা করিয়া ভিলিছইৰ <u>পু</u>রীৰ **রানী** তাহার গর্ভেভতর বিষ্ণ জন্মের আশ্বন্য चोत्र वृष्ट वर् शाशित कुलत्र पृष्ठत রামের বনবাস তিনি বাছিয়া মাগেল বস্তু ৮ মাধ্যের অপরাধি দুচাইলে ডোফা শুগ্রের কল ডোমার চরিত্রে চম্প্রার লাগে ব্রিভ্রনে।

হস্তী আঁতা রুখ এতিয়া স্থয়ে ৰাষ্ট ৰছি রাজা হইয়া ভাইভক্ত ছেন জন কহি। রাজা হইয়া ভরত তৃষ্টি নহ রাজভোগী য়লিব্যবহার বর যেন পর্যযোগী। যে ভাই আনিতে গেলে লইয়া ক্লাডায়াঞ ए डाइ विक्रम अहे भानहे रेख क्छा টোদ্ ৰৎসর বৃত্তল তুমি যে ভাইর আবেশে সেই রাগ্র পাঠাইল ভোয়ার ওঙ্গেলে ৷ খ্ৰুড হাৰ্ডা কছিৰ হাছি প্ৰদলন্ত্ৰ ওর্বিয়া ভরত ভাতের দিলে আলিক্সা। হুসুয়ালে কোল দিয়া ভয়ন্ত নাই একে যুক্তার গাঁথলি যেদ চহন্নর অস শহন। হলধান হার্ডা ক্ছিলেন অমূত্রের হসে শ্রনিয়া ভয়ংডয় গাঁয় পরিন নিচকা। ভরতের ছফের আদে ছফ্পান ডিডে इन्यारन फ्रांन दिएक यरनश्रस्त हिरक । তিন শত গাধী দিল অতি দৃণ্ঠান দুই পত গাত দিল আমু ভাঁচাৰ।

অগ্নিবলে সোনা দিন আলি হাজার ভোলঃ মান মালিক দিল মব্যেতে পাঁথা পলা। क्रान धरन क्रान महिन घोडांत्र सोगांन भारत मेल कना। इन्यूयांकारत फिन फोना दनाधिनां (प्राधि इांटम परतनक्रम इत्मद्र भेर्थ कांछि क्माग्न (कांन भूग्ररणान ). ঘত দান দেহ ভর্ড বিদ্বুই লা মানি বুলুনাযোর মনিক ছবে তাহা আমি গাঁও 🕽 **अंड छारि समूबांग कहिल का**? वं পুনরপি ভর্ত্ত ভাবের দিল আলিশ্বন। होम् रूप्तात स्निनांग्र जन्दर साहीन বানর নহ হল্মান দেবের ভিতর গাঁও। ভাতে বলেল জিআলি আমি দেয়াদের মাধ্যে বোন কার্ন্যে বালরকটক রামের সহায় ঘুকো। (योत वव्यापी बानएत्स अनेक्षेत्र नाहि क्रांत्र বালরকটক রাচ্চের সহায় মলে বিকায়ে করি

क्षित्र (मनांभित्रि किस्रो डांब संधान हारण जांडरल मखाकांद्र कृति व समानि ! **अउ एपि नेयर्क्श जिल्हाम उत्रद्ध** সকৰ কথা হনুমান লাগিন কহিছে। রাত্য চাতিয়া রনুনাথ গেল, পঞ্চটী তথা গিয়া শুৰ্নিথার নাত্র কান কারি। होक् इाजाब द्रोक्षम ग्रांदिन भर ब्रम् মান্নান্স চালে সীতা এইন রাবন। भीजं हाहिए। विज्ञाहेर्ड मुख्येरवर मरम (हरे मृशुरिवदः इंग्ला दिन योनि योवियां एगसे। সংসারের বাদর আইল সুগ্রীবের আদেশে সীঙা চাহিত্তে বানরকট্রক গৌনাম দেশে।। এক ঘাদের ভরে রাজা করিবেন চিম্চয় মাদেকের অধিক হইলে পুৰে হাসি ভয়। পাড়ালে পুরেশ করিলায় মহা অন্ধকার र्यात्रव बानत्रवहेक पूक्त बहिलाय माह। অন্ধর্মার পাতালের ভিত্তর ফরিশু প্রেশ ए छ रोउन संस्थित काथाउ ना मादे अस्ति।

বিন্ধানীরি পার্যতে হইল সমুভির সংল দেখা হামনাম বলিতে তার প্রতিল দুই পাঞ্চা। পাক্তরাত সমুত্তি জটাত পক্ষের ত্যেষ্ঠ ভার বাকো সাগের ডিমাই মীতা পাই ভেটেঃ भागादार कुल शिवाय मकल बांतर একেশ্বর ভরত্ত আমি ভিন্নাইলাম সাগর চ ্রকেশ্বর লঙ্কার ভিত্তর করিল পুরবর্শ হাতার অন্তঃপরে মাতার না পাই ওদ্দেশ। আওয়ামেহ চাহি মীতা নাই দেখি পুঠিতে ৰমিয়া কান্দি হইয়া ৰত দুঃখা। দুই পুছৰ ৱালি গেৰ তৃত্তীৰ পুছৰে দীতা দেবী দেখি আশাক্ষদের ভিতরে। (माथा इहेळ जोहिनि जिजादमन दिस्मही সূপুনিবর সলে মিড়ালি ডাহা আমি কহি। रात्यत्र अभूदी पिलाम मीजा और निप्रणन उभूदी भारेगा मीडा कहिल उन्मन। যাতা হইতে কাতিয়া দিল বিচিত্র মঝি মনি দিয়া পুভুর চরতে হৃহিও কাহিনী।

হেল মতি আছিয়া দিলাম খারামধিদার্মানে মান পাইয়া কৰিবলৈ কিন্তুর ভাই দুই জনে। ৰানরের সংগ্ন ফোন করি বাজিন সেত্রজ্ अविकास वृष्ट्रमाथ शिद्रिन एणंक्य। শুহন্ত দেশা মারা গোল শীল বানবের তেতে নাগণাৰ মূক্ত কৰিল গৰড় পঞ্চিয়াতে। ইন্দ্তিত, অভিকায় লক্ষ্যৰ ধীর মারি আণদি রাষ্ট্র হারিলেন দেবরুথে চড়ি। পত্র প্রয় করিলেন রাছ নিজ বাস্থবলে द्रांघ नामुन मीड़ा जिन जन व्यविस्मन कुर्यला। সূগ্ৰি রাজা আইনেন রাক্তস বিভীয়ন পাত্রহিত্রে পাইয়া চল রামসঞ্জাহন ১ স্থালি র ছিয়াটেনে ব্রায়ে অর্থাতের বরু न्दर्भ स्था नोटेस्य तांच्यत हमस् अपूत्। প্ৰত ৰাজা কাহল অদি খীয় হলুয়াক পাত্রদের ভবে ভরত কায়ল কান্দিরাকং चुंड पित रहेन हा छाडे पूर्वभ अवर्णस क्षाम् द-स्टब्स् वेत वेद् आहेन सर्व।

া পাররের পুরিমা যত আছে মানেই গল্প চন্দলে তাহা সভাবে করাও মানে। দেবতার স্থানে বাদ্য বাজাণ্ডক বাইডি বৈণ দীণ নৈৰেদ্য দেহ ঘূতের স্থান বাতি। एन एन निरद्धाः छतियां (सह जाना ज्ञानि हम्नकारकेत जान छाडे भाजना। তামা তহর ভাটিয়া ভাই কর এক সোঘর আণনি চাড়াও বুলা মার বাচহে বিশের। পুতি দর্গারিয়া ছারে পুতিয়া আহ কদা গাকেগাকে পভাকা কান্ধ সুগৰিছ প্ৰুমালাঃ আনগোর পারা বাবা নেতের ওয়াত বেতি ত্যি মধ্যে দেখে যেন নগরেত্ব বছয়াহি। य जी द्रांच्यत हत्न कतित्व नितीक्ष কোটিং অন্যের পাশ হইবে বিয়োচন ৷ যাত্ত বলিল গুরুত করিল শুরুত্ব निमित्रांत शरेन (रत स्रांज्यत। রাজ্যদহিত চলিব ভরত ফটফে বুলা ওপে রামের দুই শালই করিল মাভার ওপরে !

পানই ওপরে অহা মণ্ড খেড চামর চলে होत्स् व अत्र अनेतामी नथ बहित्य हेला। ঘত পা ৰাত্যায় ভরত তত নমস্করে ক্লাজ্যসংহত যান ভরত হাত্র আনিবারে। ৰশিশ্ৰ নারহ চলে কুলের পুরোহিত अ॰-जारत्र लांक हत्न इहेग्रा जानविष्ठ । মুদিত ছইল দোলা লেভের ওয়াতে मांड भंड महीरनट कोर्भना परी नर्ज বুক্তিৰ ক্ষত্ৰিয় বৈশা শুদু বিন্তর इध्य (एथिएड (लांक जन हनियादि उ॰ नंह । उद्बारम शेरेग हिनम मात्री शहरती লব্রা ভয় জেজিয়া চলিব কুলের দুষভী। কানা খোঁতো শিশু হুটা দয় অদা জনে काय का उम् भीव खेत्रायदर्भन । ज्यतंक दुांच्यन ज्ञान ज्यानक बुांच्यनी भृधिवीछ बाज्र माहि इरह अक भौती। অধবৃত সন্যাপী চলিন ওম হৈথে नप्रसंस हिन्त (य चीरीन द्रांश्य)।

शिद्धि पश्ची मां दृष्ट् पश्च मां दृष्ट् वस्म म्रांत्व जनम कोडे अंडन द्राधंत मान । वृत्र निर्माह घड जारल जातुरीएक বুলুনাথ দে মিতে আনু কেছ নাছি থাকে। এগার শত বিহন্ধে বাহির হুইল কন্ত সংখ তপু পথে ভরত রামকে না পান েচিয়তে। ভাত বলেন চঞ্চল আত্তি বানর ছলুয়ান যত ভিত্ৰ ৰলিৰ গ্ৰোৱে লছিল বিদামান। হন্মান বলেদ ভরত লা হও ওতরোল গোয়তির পারে খান কটকের রোল । ভংগাত বলিল দেশ হরি বিদায়াল राशांता शास्त्र व्यव मून नष्ट अहे मान। ने (एक इधकांन नाशियोद्ध आकारन বুক্রার ফুজন রুথ বছে রাজহৎদে। नै तथालात् कथां जान्वर्व काहिनी র্থ ওপর কটক চাজতে সন্তর অক্টোহিনী 1 ত্তিন কোটি ক্লাক্সমে চতেছে বিজীঘৰ রুখের এক কোনে গিলা রুলেকে রাচ্চদলাৰ ৷

व्यागांन (एक्स म्हाड हारकरक निर्देश স্ত্রের তেজ চাকে যে রংখর কির । ভর্ত হনুয়ানে হেডা দুই জনে হুখন (इनकारन ज्ञथ नहेग्रा काहिल नहत्। ভরত দেখিয়া রাম হইল ফাঁফর অস্থি চমানার অভি হালে কলে বর। চলিয়া আলিতে পা ওছবিয়া পরে হনুমান কোলে করিয়া রথে গিয়া চড়েঃ রুখের ওপর চারি ভাই ছইল দর্শান होर्फ व महत्र भरत पिन जानिसन। वानित पुंड क्रीबंत द्रांग व्यवजाह রামের ছরতে ভরত ফরিল পমস্বার। व्राप्य नम्बन्धविद्यां खतु उन्हें नम्बन्धित ভয়তে আশীর্ষার করে সীতা স্মরী। তোপ্তভাবে ভর্ড লক্ষ্যুৰ নাই ৰংশ্ব ভরত ৰহ্মৰ ফোৰাফোলি প্রয়দানদ্দেশ 🛚 ভিনের অনুতা ৰচ্চে বীর পত্রুর **রান্ত্রি ভাই য়েলিয়া একবার ছইল আলি**র্থন ।

বিজ্ ডারি জন মায়ার কার্ন (ত্ৰগাল বলেল পাঁচে হয় গিয়া ফিলন ! अक्वारत हाति छाडे इडेन जानिसन ্রক ঠাই পাইয়া করে পুষু বরিষ। विनिक्षे नांत्रस युनित कविन ठत्रने वन्तन আৰু ঘত ৰন্দিল রাঘ কলের ব্রাহ্মে । ণুগ্রশোকে কৌশশার অদ্ চর্মামার রামং বই দেবির মনে নাই আরু ৷ য়াতা বিঘাতারে রাঘ্র কৈল নম্ভার আশীবর্বাদ করেন তারা করিয়া পরিহার। राय वनवाम विद्या किरक्यी इत्यादिक कालि ांध्य जांभी वर्तान कृषि एउ किरक्यी लाज गांनि। ককেনী দেখিল হাম বড় লব্বিড মন সময় বাইয়া **বলেন রাম চল বচন।** তামার দেঘি লাই সতাই বৈবের নিষর্বন্ধ াহে কোথা থাকি সীতা পাইবে দশক্ষা।

ভোমার পুনাদে সীতা করিলাম ওছার ভোমার পুদাদে ব্যিলাম ভরতের বাবহার ভোমার পুদারে পাইলাম মৃগ্রীর মিড ্রিড়া হইয়া কেহ কার পাহি করে এড হিড। একেএকে রামচন্দ্র কছেন সাকল কাঘ রায়ের হচদে কৈকেয়ী অধিক পাইন লাজ। রুখে হইতে রুঘুদাথ স্থায়ে বছে বাট ह्मकाल छत्उ (पागिन भानई म्हेभि । ঢ়ৌৰ্দ্ম ৰ শয় শেষা করিলাম বুড আরাইনে হেন পানই লাডফ পুড়ুর পরিল চরবে। मोनरे भार्य पिन नुंजू क्यनलाठन প্রীসমেত যাতা লোয়ায় পানই দরপান। প্ৰেশ করিল রাম ভিত্তর আওয়ানে अर्थ (नांदिक इति दल त्रीय आहेन (मरण) ৰাছির চৌডরায় রাগ্র করিল দেয়ান জব্ৰিশ কোটি মেনাপতি হাণ্ডাইল প্ৰান। সভাকারে আসদ ঘোণাইন পায়ুগতি চাহ্ৰিপ কোটি বনিৰ পুৰাৰ মেনাণতি।

**ड्राउरत क्वांन द्रांग क्टेक नित्रह**व जुलीव व्राजा स्था नै जुर्चात उनग्र। অরদ ঘূররাজ দেখা বালির কুমার স্ণুবি রাজা দিল ঘারে সকল অবিকার। शंय श्रीकृष्ट प्रिय अहे शक्यांपन ग्रारम् (परम् (पथ शंदांक हम्न। क्षड कूम्म प्रभा नमम ममाडि नल नीन (एथा अहे पुरीत (मनापंडि। স্তান আমুবাৰ দেখা সুছের সাণার এঘবি মন্ত্রে ওভ ঘূছে বভ মার্ডর। इत्यान बीव एक नहमतन्त्रन ঘাহার বিক্রমে আমি মারিলাম রাবল। হনুমানের ওলের হুথা হৈ কর বিশেষ হনুমান করিয়াছেন মোর সীভার ওদ্বেল। यउ कोर्धा इन्यात्नव अक्न कार्या इउ চারি ভাই হইতে মোর হন্মান হত। দ্বীর রাজা দেও ঐ হান্মির বিভাষন যাহার মনুনায় আফ্লি মারিশাম রাবন।

जानित वृद्यनांधे त्रोमांनि यांत के करह অণ্যর আনে লোক তার মূখ চাহে ৷ কামকুণী কাক্ষম বানক দানা মানা বিবে রামের ইরিতে মন্দ্র। হইল রাক্তম বালরে। ভবত বলেন মাজা হইও বাক্তম বাগর প্ভুর চরণে আমি করিব ওওর। লমস্কার করিল ভরুত রামের চরধে যোত্হাতে বলে ভরত রামবিদামানে। দ্বাণ্য বন আমার চাঁই আচে বাপের রাজ্য ভোগার আজা পাইয়া ফরেছি রাজহার্যা। আজা কয় যাতা লহ হৈদ দিংহাদানে সেবা করি থাকিব গোসানিং শীরল চরতে। মহারাজ্য রামিত্তে নারি আমার শক্তি গাড়ত্ব গাঁৱা ইরিতে নাহর দিওছের গাঁড। বলী জনের বোঁঝা দুর্ফন বহিতে নারে মহারাজ্য মহাপ্রম রাফিরারে পারে। আজি হইতে হাজ্যভাৱ আন্তাতে লাছি লাগে. প্ৰয়ক্ষয়ে রাজ্য পুড় ড্বু ফুনেফ্নে।

ভরতের কথা শুনিয়া হানে রঘুনাথ চাপিয়া কোন দেহ ভাই পশারিয়া হার! বারেবারে বলে ভর্ড বিদয় বচন . ওঠিয়া রঘনাথ পোদানিং দিল আলিমন। ভোমার ব্যবহারে ভাই আমি ছইলাম বশ পৃথিৱী ঘূড়িয়া ভোঁঘার ঘূছিবেক ঘলা। গৰকে জানাইল ওত্তম ডিখি বার যাতার জন্তা কান্ধিতে দাণিতে পর্তিল হাঁকার ১ মাত শত নাপিত আইল লোবেতে বামাৰি পুরের চালি লা পাই ঘার ডোথ নকবি। १ ठांति छाडे वृश्नांध विजन मांनांत सार्ध শুভক্তৰে নাশিত্ত মান্তার জটা কাটে। দাতি চুল কামাইয়া রামেরে করিল নিমানি म्रामिउ शिशोजाल कवारिन मान पांत। বলুল এড়িয়া পরিল বিচিত্র বসন ठांति डोडे लेविन द्रांघ ठांत द्रांजांत देन।

भीउरित मुनि कताहैन बार्जात यउ ताली रेवक्ल थांकियां निम्नी आहेल आंत्रेति ६ রদুলাথ করেজিলেল যেয়ন্ত আচার বলুল পরিয়া এইয়ত আজিল সংসার ৷ जायांकाव यड (लांक डलंक्शिक्न वीदी छोम विभागत वंद्रन अस्ति। दिवा वस्त्र भित्र। র্ঘুনাথের দঃখে লোক জিব সব দঃখা व्रचनारथेव अर्थ (नाक वज किन मधी)। क्षिणंना प्रशास्त्री कतिल उन्हल চারি ভাই করিশ রাম অমৃত ভোজন ১ ঘত্তভাবে সীড়া দেৱী গোলেন আশনি ভোতাৰ করিব কটক সত্তর অক্টোহিনী। ব্ৰিন কোটি ৱাক্ষম নিয়া **ভোজন ফ**রিল বিজীয়ন मजुर जाक्षी है और करेक क्रिक (छोजन । স্থে রাল্রি বঙ্গে রান্র পুত্যম বেছালে ন্থ্য প্রত্য পাতালে করে রামের দেয়ালে। অবেধ্যিয় রাজা হদ সকৰ দ্ণীতি कायाद्यात्र हिन्न ब्रांस्य विविध्य प्रय होति।

বামের সংক্রতলিল সভে হন্তী ঘোড়া চড়ি वृध्य (मिथाउ मी भूवम वाहेन वृज्विति। य यमन द्विष्ठ थारक नै द्विष्ठ दे।इ বৃদ্ধ কানা থোঁড়া শিশু কেছ নাই রয় ১ কানা (মাঁড়া ইরিয়াত আদে অন্য অনে : সকল দৃ**ং**চ্চ ঘোষ্টে তার রামদ্রপালে। उद्धारम दोरेग्रा जारेम नाही गर्डवरी দত্ত্ব। ভয় এতিয়া আই**লে ঘতেক** ঘ্**ৰতী।** কি করিবে ফামী ফি করিবে বলে জন দকৰ পাণ ঘুচিকেক রামদর**শ**কে। हन मण्ड पिथि निया इरियद हसुरंदन শরীর মুক্ত করিব দেখিয়া নারায়।। চ্বিশ কে' টি মদমত আইল দম্ভাল ছব্ৰিণ কোটি বানৱ মতে বিক্লমে বিশান। ৰোতা হাত্ৰী চতিয়া কটক আযোৱাগয় যায় শুথানা গাঁচে তৰ তৰ সকৰ জিছিয়া থায়। म्यनु इथ (घांशिष्टिन जन्नज्ञ नारम् রুখের ওপর তারি ভাই বিষ্ণুপরিষ্কুদে।

জাপনি ভয়ত বিহিন ঘোড়ার স্থাড়িয়ানি শহাও ঠাকুর চামর ছলান পড়িছে বিজলিঃ মাতার গুণর পাত্র্যু খেত চামর বিংর विक्यां जित्र कार्रे हरधत अनेदत्। मुहेरिए मादि विद्या लांक विद्या ठांटर ভূমুনাথের **য3 শাল লোকে দে**লিখা চাহে। অনেক শ্ৰেয় পাই পোদানি ভোছাতে রাজা জন্মেং রম্বর্নাথ করি ডে'য়ার শুজাণ मन्दंक्र । एपि । जोवांत्र शाहक्त्वम সর্ব লোক মৃক্ত হয় রামদরশন। রামের কণ দেশিয়া শ্বী মতিয়া গেল ভিত্তে চক্ষের কোনে না চান রাম পরস্থার ভিত্তে ৷ भेवची भेवदेश मां हांन हरऋद स्थारन বৈত্তভাইয়া দ্বী সৰ পতিয়া মারে মনে। যেন রাম ভেদ মান্তা শোভে দই অন बाद जुदि छिट्ड द्रांश होरवन क्रिकांद्र । द्रायस्य (एशियां जी जतुरह नंकियां यहि আণনা নিধিয়া মতে গেল মহাত্রি।

वि कतिरव सांग्री लांक कि कदिरवक देना मक्त पृष्टभ गृहिन व्यवीयप्रमंता। ঘরে গিয়া দ্বী লোকের পুলি লহে দিয় অঘোৰীগায় পুৰেশ করিল রঘ্বীর। **इताउत उत्त द्वाग्य क**दिल **आंद्रा**णे রাহ্নদ বাদর রহিতে যাদা শ্ন্য কর দেশি ? স্থামের আজায় ভরত চলিল মতুর বাজিয়া অপদার করিল ভাত্রিশ কোটি ঘর 🖫 এক বৃদ্ধ আঁওয়াস দেখিতে কণস তালের ওপর শোভা করে রভের ফলম ! রভুর ঘর্থান ঐ বরে নানা জ্যোত্তি এই আওরামে রহক মৃগ্রির বাবরণতি। আরু আওয়াস দেখা ঐ শ্রদ্ধ কাঞ্চন ভিদ কোঁটি রাক্তমে রুখক বিভীষ্টন। আওয়াদ্যাল ক্ষে মানিক পাত্র শত শগ্ন বানরে রুখকে অমদ কেণ্ডির। यांत्र व्याअग्रीमधान (एथ मुक्डां शिर्दिन এই আওয়ামে হল্মান থাক্ৰ আপনি।

हिं कि कि सिन्द्र हिंदिन आक्कोरिओ शेनद्र মভার তরে ভরত ঠাকুর দিশ বাসাঘর। সিজু পদির তীরে আর সর্ঘুর তীক্তে এও দ্র চাপিয়া বৈদে রান্তদ বালবে। সর্ঘু সিদ্ধু নদীতে চল্লিশ যোজন अउ मूर्र रिटम होइम बीनहरील। (मानांद्र भारहे श्रेडेन बांतद्र मधाउत्म प्रवक्ना। नदेशा बानत बार्क कुछूद्रम । রাত্রি পুভাতে **গেল ভরত দ্**গু**তিবর দর** तत् रच देति व कालि खेडांट्या अवंह । भूतर्वम् नक्षत्र भून रेड्य याम রামন্দ্র রাজা কালি আজি অধিবাস। ত্ৰিভুষনের দুব্য আনিৰ কোন হার্ঘ্যে গভি मां आतिरद नांत्रि हांत्रि मांगरत्त्र भीति। র বুলিমিত্র দিলাম চারিখি কলমি চারি মাগেরের জল দিখা যেন না হয় বাসি। সাত শত নহী আচে পৃথিৱীয়গুলে মুদি সভার শ্বাদের পবিত্র হয় দেই জনে।

जांउ भंड (मांतांत क्लिम पिलांग उर है। है महन निवाद जन एक क्लि मुंद्ध नोहै। বাদরের ভিতে স্গুবি চাহিল কটাক্ষেত্তে शिरेगा वान्त्रकरेक कनमि लदेन शास्त्र। মৃগ্রের বলে চারি মাগরে আয়ার চিছ আছে দ্রানি জনির জন আনিত্রা ছাণ্ডাও পাছে 1 বানর পাঠাইয়া সুসূবি হইল নিশ্চিত্ত রামের অধিবাদ করিল শাস্থবিছিত। ধশিও লার্দ মূলি করেল বেদ্বুনি অগ্রিন ভূবনে শব্ধ রামজ্য় শুনি ৷ রাম মীরা ওগবাদে রাহিল দুই জনে পুরীন্যেত রাঘের কাজে রহিল আগরেনে। রাম মাতা দুই অনে কছেন কাছিনী আৰু একটি দিন গোনানিঃ আজিলাম এমনি। স্টাতার কথা প্রনিয়া ছইল রঘনাথের ছাস মবুর পর্চনে ভারে করেন সমুখি। मीडा न्वर दिन अनेवाम जारक नेविधिड পর দিল রাজা হয় যে শান্ধবিহিত।

প্রভার পুড়াত পুষর্দিশ পুরুষ হাতে ফলনি করিয়া বাদর ওঠিশ আহুশি। অগ্রিহেন ওঠিয়া চলিল নীল বানর ठएकत निरम्धा (शन बीत भूवर्वमाशत । অঘোর্টার পুষরসাগের চারি শত ঘোজন রামের ডেজে দালি বীর গৌল ডৎক্রন। कनमि छतियां ध्रेल माराउद घारि চিছ চাহিনা নীল খীর বেডার ওভ ডটে! রক্তক্ষের ভাল দিলেক চাকনি म्गुरितत् कारत ध्रेन पुडांड तजारी। বুড়াকালে আমূবাদ সাহসে ধরে ভর চন্দ্রের নিয়েছে গৌল পঞ্চিয়েসাগার। অযোধ্যায় পশিষ্ঠয় দাগিরে আই শার বোরন রামের ডেভো টক্ষের নিমেষে গৌল ডৎক্রন। কশ্সে ভরিলা খুইন সাগরের পাড়ে চিছ চাহিয়া বুড়াবয়েমে বেড়ায় ওভরতে। দেৰদাৰত তাৰ ভাঙ্গি আছু দিৰ পাৰি अगीरवंद्र करित धेरेन मुडीड तजनी।

एकिनमारीद्ध भिन्न तन बीह দক্তি।সাগর সেই বাজিয়াতে গভীর। অযোগ্যায় দক্ষিনসাগর পাঁচ পত যোজন বায়ের ভেতো সল ববৈ গোল ভংগ্রা নদ দেখিয়া সাগারের গুড়িল পরাএ আৰুবার দল বার আইল কিকারএঃ तन पिथियां मार्गाद्वद नार्गिन उद्योग আহবার এতে মাগির জীবনের আম ৷ সাগিরের তানে হেথিয়া নলের হইন হান হাসিয়া সাগারের ভারে দিভেচেন আখাস ! इच्नारथंत्र मास किनाम (एँडे जांदर रह কার পক্তি বান্ধিতে পারে ডোমার অল 1 র্ঘনাথ রাজা ছবেন অযোব্যান্সারে সল লইতে আসিয়াতি ভোমার সাগিতে। য়নে ভোলাপাতা ক্রৱেন নল মহাবন াতৃ কথানি ভরিবেল গগৈ মাগারের অল।

क्रमि डित्रा धरेन जिल्लान डिमेर् চিছ চাহিয়া নশু ধীর ষেতায় তারেতারে। সম্ধে দেখিল গাঁচ খেও চদৰ ভাল ভারিয়া জলের ওপর দিল আছু/দেন? শ্বেত চন্দ্রনের তালে আচুাদিল পালি। অনুগৌরের স্থানে খুইল পুভাত রজনী। ওত্তরসাণার আঘোরিগায় হাজার ঘোজন কোন বীর ঘাইবে ভাবিতে মনেমন। শ্বরাম স্গুটির দেঁতি করেন অনুমান হাতে কলমি আকাশে ওঠিল হনুমান। দুক্ শত্নে যায় পৰলে করিয়া ভর লেন্ডের টানে গুণাক্য়ে গার পারর । আকাশে থাকিয়া গাঁৱ তলে বলে পড়ে ৰজু ভনুৰৰ্জ্জি যেন খান্ধৰ বাহতে। পর্নণমনে ঘাঁয় প্রদন্দন দুই দুণ্ডের ভিতর গেল ছাজার ঘোজন। ক্রদা ভরিয়া গুইল সাগরের পাড়ে চিছ চাহিয়া হনুমান বেড়ান ওভরতে।

অগৌর চন্দ্রেলয় তাল দিলেক চাক্তলি म्भीरत्त्र कार्ति धूरेन पुडांउ तजनी। সভাকার পাতে টোল বীর হনুমান জন দইয়া আইন বীর সভার আওগুলা ৷ গায় পথাক্ষ সরভ আর গন্ধমাদন কেশরী কুমুদ আর গবান্ধ চন্দন ৷ ग्राहमु (मरहमु जो इ वी व ननम দকল ওীর্থের **তল** আইল মাত শত কলম ু বাম দীরা দুই জনে বমিল দিওহা দরে রামের মাডায় জল চালে সুগুরি বিভাষতে 🛭 ম্বা মত্য পাতাৰেতে দুই রাজা কস্থরে দুই রাজা জন্ত্র ফিরান আগতের ওপরে । শৃথিবীতে রাম্প লক্ষ বোটি অঘুত রাম অভিযেকে সর মারেতে মজ্জ। ন্ন লোক হতা লোক আইল পাতাৰ অঘোৰ্ব্যায় ক্ৰিভূৱন হটল মিশাল 🕫 মপ্তদাপের ভিতর আদিল ঘত রাজা: অঘোর্যায় আইল সভে করিতে রামের পজা ১ রহিবারে দান নাই কটকের স্থলদুলি লানা পরে বাদ্য বাজান দেন করতালি। চারিভিতে চামর চুলায় সকল রাজাগন রামের কাচেং বেতান ভাই তিন জন। বুক্রা বলেন এখন না যাব রঘুনাথের স্থান দেবকন্যাগন গিয়া ককন কল্যান। ভোরেশ কোটি দেবতা লইয়া রহিন অন্তর্রীকৈ সকল দেবকন্যা রামের সমুখ্যে।

রতী সত্য পাবর্তী শীলাষতী ভানুমতী আইল অভিষেক্ত সন্মিরীলে হাতে লইয়া দুবর্বা হান রছিল প্ররামের বান রাম দীতারে করিতে ফল্যাল। অয়জয় রামচন্দ্রে রছিল রনুনাথের হইল অভিষেক্ত রাম ব্যাটি ধনিল রাম চারি ভাই অবিদ্যান। জননারে করিল পুলাহা আইন বিদাবিরীগানে আভিষেক্ত নিম্মুনে।

হর্ষিও হইল কমললোচন

বিদাবির বিদাবিরী হর্ষিত অপ্পূর্মী

নৃত্তা গতি বাদ্য বাজন।
আইল রাজা পুজাগানে অভিষেক্ত নিম্মুনে

হর্ষিও হইল ব্রিভুক্তন

নানা রুক্বর মানে তুষিল ঘত ব্রাহ্রাকে

রামের, অভিষেক্ত ক্তিবাস ভলে।

বুক্তা চেলাইয়া দিল মোনার পদ্ময়ালা অন্তর্গক্তে পজিল মালা রঘুনাথের গলা। মনি মানিকেডে নির্মিত রজুহার ইন্দু পাঠাইয়া দিল রামের অলস্কার। নানা মনি মানিক রজু পর্প পাত্তর, কুবেরের হার পজিল কণ্ডার ওপর।

দেবের আল্কারে রাম হইল স্থায়ত ৰুদ্ৰাথ রাজা হইল অন- ছর্ষিত। মুদুলাংখর অভিয়েক্ত শ্বনে যেই সরে हेर लांटर महूप बांद्य भड़ लांक उद्या অভিয়েক রামের ভাই যেই দরে খানে भक्न शस्त्र जांद्र बांद्र पित्निपत्न ह विधिवीत वृद्धिन शिन द्रम्मारधेक स्नि दिन (कांडि (मत मूर्व दुक्तित दिन प्रांत ! গুাম ছমি দেব কারে করিতে ওণভোগে अ०-मांत्र विलान त्रांग एवं घउ गांशी। नून रेठव योम प्तर्वम् नक्त चंडकाल होटाइ डनेंद्र देतिन एउ जन्न দোনার পদ্মগ্রাপ গলে স্র্তাহেন স্লে হেন মালা দিল রাম সুগুরীবের গলে। অমদের বাণ মারিয়া প্ররাম লাজ্রত র্ঘুনাথের দান পাইয়া **অম**দ স্থ**তি**! জব্রিশ কোটি সেনা পছিল রঘুনাথের দান অভিয়ানে রূপ নাহি কাড়ে হনুয়ান ৷

वृश्तिरथेव प्रीत शिष्ट्यां मान रहेन सूधि অভিয়ানে হল্মান বুজিল দুধি আঁথি চ কোন অপরাধ করিনু পুভুর চহনে সভারে তুমিল মোরে না তুমিল কেনে ( इन्यांत (पथियां भीडां कांज़िन गनांत हांद्र হারের মূল্য নাহিক বন্ধু গ্রিজুবলের সার ৷ হার হেশিয়া ব্রিভ্রন চাহেন ভরত্র নানা রড় মনি মানিক পর্শ পাত্র। বত্বত দেনাপতি করে অনুযান সভে বলে সীতার গলার হার কেবা পানা হাতে হার করিয়া দীতা শারাম দেহালি রাঘ্রভিত্তে **চান শীড়া হাতে হা**র বীরি l দীতার মদ বুকিয়া রাম করিল সম্মিরীন যারে ভোমার ইচ্না যায় তারে কর দান ৷ অনুদ্দেশ থাকিতে যেবা ওদ্দেশ করে प्रविद्या किलाय भुनि भीन मिरलन बरिवर १ ইয়ত বৃক্তিয়া সীড়া হার কর দান বোন জন না স্করিবে হারের অভিযান 🖟

হনুমালের পাবে স্বীঞ্জা দেহালে বারেছে विशिद्यां-शिद्यां स्नूयांन शिनांग्र संद नाद ! হনুমানের গৰায় শোভে মীডার হারচকা সাভার চরনে ধীর হাত করিল ঘোড়া। मोडा दानन घउ.कान.धाक्रिदः गृधिवी রোগ পীকা লা হচৰ বাপু হইও চিঃ খ্রীবী। हम् म्या नक्त नवीउ नुहाक ঘাবে রামের নাম থাকিবে সৎসার 🕼 **তত্তকান হইও ভূমি আন্ত**য় অমার হন্মান অমর হইন সীতার পাইয়া বর। ৰামনাম দুই অন্তৱ মুইৰেক যেই মানে যথাত্তথা থান্তিৰে তৃমি আদিৰে দেইমানে ট বিভীষ্ট্র দেখিয়া রাম করিলেক আদর আজি হইতে ভূমি আঘার ভাই সংহাদর। চারি ভাই চিলোম আমরা হইশাম পঞ্চ-জন नाठ डांडे (यानियां अधन कवित नृत्यां उन । দুই মান জিলায় তথা রাজন বালর ৰিমানু কৰি আপন কাত্ৰ্যা চলছ সত্য় ৷

দানা রতু মনি মানিক পাইলেন অল্কার রামণ্ডেন পাইডেং ঘান পাইয়া পুরস্কার। ৰানা সূপ ভূবে সভে পাইয়া আহর मृहे यांम जिन उथा दक्ति म बात र আপন দেশে চলিল ঠাট গাইয়া মেলানি রামের কথা কছিতে ঘান অপুবর্ব কাহিনী। পাতা দতা থাইত বানর পরিত কাচ্চি इप्नार्थंद नुमारम क्लांबाद निव्नाहि। আরু কত দিলে দেখিব রামের চর্ব। রাক্তন বানর চাড়েন রাম মন্যে বেভিড চারি ভাই বাজ্য করেন জাতে প্রিড। দর্শ হাজার বংশর করেন লোকের জীবন তোও থাকিতে কনিডের নাছিক মর্ন। রামরাত্যে লোক তান কেছ নাই ছি০মে যত্ত্যত রাজাগাল প্রার্থায় পুল্পংশে। রামের রাজ্যে শোক না জানে কোন জনা द्रोग द्रोणां दिल्यां (लाटकेत इंडेल खोषना ।

শাত্র মিত্র বনিয়া রাম ঘুজি অনুযানি नुषुक व्राथिदव द्वांस जिल्डाह्न (सलीनि। भेड्ड इरथेइ उरव इांग्र करहत मसिरीत বিদায় দিলেন রঘনাথ সভার বিদ্যমান । কুবেরের রথ ভোমার জানে স্বর্ব জনে ক্বেরে জিনিয়া ডোমায় নিলেক রাবনে । হেন রাবল মারিয়া ভোমায় করিলাম ওদার কুবেরে জানাইও আমার পরিহার। ठनिन (य द्रथभांन श्रादांग जोत्सरण क्रस्कृत निर्धास (शेल भेरटेंड रेक्नारणं। ক্রের বলে র্থ ডোরে কে দিলেক বিদায় হাবন লইল ব্ৰোমায় জিনিয়া আমায় ৷ প্রন বলি রুথ ভৌরে নিলেক রাবনে ভোমার ওপর পুতাবধু করিল গমদে। পৃথিকী থাকিবেন রাম এপার হাতার বংসং রামের দেবা করিলে ডোর শুদ্ধ কলেবর। थातां प्रधान कतिरवन रेवक्रिश रोगन আির্মা দেশেরে তামল করিছ গামন

চলিল যে রখানান কুবেরের আদেশে আইল গেল রখানান চন্দ্র নিমেষে। রথ বলে রঘুনাথ কর অবধান আমার চাড়িতে পারে নাং-নারের পুরাদ। রামের কাচে রখানান রহে অন্তর্রাফে সার্বফেন ইখানান প্রায়েরে দেখে। ভরত যত পুজা লোকের করিল পালন সকল পান্যারল লোক রামদরশন। রাফ্রন বানর এডিয়া রাম মানুষে বেডিড চারি ভাই রাজ্য করেন পর্মণারিত। ক্রিরান্ন পশুভের করিল পান্তর ভাগু নত দুরে স্মান্ত হইল লহ্বাকাও।

